दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

वर्ष: 2 | अंक: 182 | जयपुर, सोमवार, 12 जून, 2023 | आषाढ़, कृष्ण पक्ष- नवमी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak | YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

जरूरी खबर

नहीं रहे 'नाथुला टाइगर' कर्नल बिशन सिंह

जयपुर। भारतीय सेना में नाथुला टाइगर के नाम से विख्यात कर्नल बिशन सिंह राठौड़ का 84 वर्ष की उम्र में रविवार सुबह निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार सुबह ग्यारह बजे सीकर रोड स्थित मोक्षधाम में सैन्य सम्मान के साथ किया जाएगा। कर्नल राठौड़ पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। रविवार को एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा सोमवार सुबह उनके निवास स्थान से रवाना होकर सीकर रोड मोक्षधाम पहुंचेगी। उनके परिवार में दो पुत्र, पुत्रवधू और दो पौत्र हैं। -पेज 3 भी देखें

लोस अध्यक्ष की एस्कॉर्ट कार को बस ने मारी टक्कर

जयपुर। कोटा में रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के काफिले में चल रही एस्कॉर्ट कार को लोक परिवहन की बस ने टक्कर मार दी, जिससे तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। मारवाड़ा चौकी से जैसे ही काफिला मुड़ा उसके आखिर में चल रही गाड़ियों में से एस्कॉर्ट गाड़ी को बस ने टक्कर मार दी। हालांकि, भागने का प्रयास कर रहे चालक को पुलिस ने पकड़ लिया। एंबुलेंस से तीनों पुलिसकर्मियों को कोटा पहुंचाया। हादसे के समय एस्कॉर्ट गाडी में पांच लोग सवार थे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

तपिश की तल्खी: प्रदेश में गर्मी के तेवर होने लगे तेज... अब 15-16 जून को भारी बारिश का अलर्ट

कोटा और वनस्थली में पारा 43⁰ के पार... छुड़ाए पसीने

आज भी कई जगह बारिश की संभावना

फोटो: पंकज शर्मा

बेधड़क | जयपुर

प्रदेशभर में वापस गर्मी बढ़ने लगी है। आलम यह है कि रविवार को कोटा और टोंक के वनस्थली में पारा 43 डिग्री के पार क्रमशः 43.6 और 43.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रायः समूचे राज्य में अब पारा 40 डिग्री पार करके 42 डिग्री के नजदीक पहुंच चुका है। यही नहीं, रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

राजधानी में भी रविवार को दिनभर गर्मी रही। यहां सुबह करीब 4 बजे हल्की बूंदाबांदी के समय तापमान 28 डिग्री के आसपास था, जो सूर्य के चढ़ने के साथ बढ़ते-बढ़ते दोपहर में 40.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यहां दिनभर चिलचिलाती गर्मी ने आमजन के पसीने छुड़ाए। दिनभर बिना हेलमेट और स्कार्फ के दोपहिया वाहन चलाना दूभर हो गया। अलबत्ता, शाम को बादल छाने के बाद कुछ राहत भी मिली।

चक्रवात 'बिपरजॉय' का असर 15-16 को

@ पोरबंदर

मौसम केंद्र जयपुर निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि अरब सागर में बने चक्रवात 'बिपरजॉय' की दिशा बदलने के कारण गुजरात से सटे राजस्थान के कुछ हिस्सों में भी इसका असर देखने को मिलेगा। इस सिस्टम के प्रभाव से 15 और 16 जून को दक्षिणी और पश्चिमी भागों में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा राज्य में आंधी-बारिश की गतिविधियों में भी बढ़ोतरी होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार 'बिपरजॉय' चक्रवात "अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान" में बदल गया है। यह 15 जून की दोपहर के आसपास यह सौराष्ट्र-कच्छ तथा इससे सटे पाकिस्तान के तटों से गुजर सकता है।

IMD ने दी संबंधित राज्यों को सलाह

आईएमडी ने संबंधित राज्य सरकारों को सलाह दी है कि वे अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखें। जिला अधिकारियों को स्थिति के अनुसार कदम उठाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा गुजरात सरकार तटीय क्षेत्रों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कई टीम को तैनात कर रही है। साथ ही, सरकार तट रेखा से 5-10 किमी के दायरे में रहने वाले लोगों के लिए छह जिलों में आश्रय स्थल स्थापित करेगी।

सीएम गहलोत ने जनजाति इलाके में खेला बड़ा दांव...

केंद्र करे मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित...

नहीं तो हम करेंगे विकास

- देश के करोड़ों आदिवासियों की आस्था का केन्द्र है यह स्थल
- प्रधानमंत्री के दौरे में भी मुख्यमंत्री ने मंच से उठाई थी यह मांग

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को प्रदेश के आदिवासी अंचल के दौरे में वागड़ की जनता के बीच भावनात्मक कार्ड खेलते हुए केन्द्र सरकार को निशाने पर लिया। गहलोत ने कहा कि मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित कराने की दिशा में भी राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। केंद्र सरकार से इसके लिए कई बार आग्रह करने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने एक नवंबर को अपने बांसवाड़ा दौरे में भी इसकी घोषणा नहीं की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि केंद्र सरकार मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक घोषित नहीं करती है तो राज्य सरकार अपने कोष से इस धाम का विकास कार्य कराएगी। गहलोत ने कहा कि आदिवासियों द्वारा आजादी के लिए किया गया त्याग और बलिदान इतिहास में दर्ज होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गोविन्द गुरु के बलिदान को सम्मान देने के लिए राज्य सरकार गोविंद गुरु पैनोरमा का निर्माण करवा रही है। गहलोत के इस ऐलान को आदिवासी इलाकों में एक बड़े प्रभावी मुद्दे के तौर पर देखा जा रहा है। मानगढ़ धाम स्वतंत्रता सेनानी गोविंद गुरु का स्थल माना जाता है। यहां राजस्थान ही नहीं, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ तक से आदिवासी आते हैं। नवंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दौरे में मानगढ़ धाम राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की साझी विरासत बताया था। गहलोत ने इसी मंच से राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग को भी उठाया था, लेकिन मोदी ने इसके लिए राज्यों को मिलकर एक योजना बनाने को कहा था।

@ मोटागांव

रेल लाइन का सपना अभी अधूरा

मुख्यमंत्री ने कहा कि बांसवाड़ा को बिना मांगे संभाग बनाया गया है, लेकिन रतलाम से बांसवाडा-डूंगरपुर तक रेल लाइन का सपना अभी अधूरा है। गहलोत ने कहा कि वे ये योजना भी पूरी करवा कर रहेंगे। चाहे केंद्र से लड़ना पड़े। उन्होंने कहा कि 2014 में केंद्र सरकार बदलने पर राज्य का नुकसान हुआ, अगर कांग्रेस रहती तो शायद ये काम पूरे हो जाते। बीजेपी सरकार योजनाओं को बंद करने का काम करती है। केंद्र और पिछली वसुंधरा सरकार ने रिफाइनरी काम को अटकाया, जिसका नतीजा यह रहा कि 36 हजार करोड़ का प्रोजेक्ट 72 हजार करोड़ का हो गया। अब बीजेपी ईआरसीपी को अटकाने का काम कर रही है।

देश में बने एक समान राइट टू सोशल सिक्योरिटी एक्ट

मुख्यमंत्री गहलोत ने प्रतापगढ़ में कहा कि हर व्यक्ति की सामाजिक सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। लगभग एक करोड़ बुजुर्ग, विधवा, एकलनारी और दिव्यांगों को न्यूनतम 1000 रुपए पेंशन से संबल दे रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन राशि में हर वर्ष 15 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जिससे उन्हें सहारा मिलेगा। केंद्र सरकार को भी पूरे देश में एक समान राइट टू सोशल सिक्योरिटी एक्ट लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत तभी विश्व गुरु बनने का सपना पूरा कर सकेगा, जब प्रत्येक जरूरमंद को सम्मानपूर्वक रोटी, कपड़ा और मकान मिलेगा।

स्वास्थ्य का अधिकार, एक ऐतिहासिक निर्णय

सीएम गहलोत ने कहा कि स्वास्थ्य का अधिकार (राइट टू हेल्थ), मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, निरोगी राजस्थान योजना के तहत प्रत्येक व्यक्ति को निशुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया गया है। इन ऐतिहासिक फैसलों की पूरे देश में चर्चा हो रही है। केंद्र सरकार को भी इन्हें लागू करना चाहिए।

खराब मौसम: इंडिगो एयरलाइन की उड़ान मार्ग भटकी

अहमदाबाद की बजाय चली गई पाकिस्तान में लाहौर तक

एजेंसी | नई दिल्ली/इस्लामाबाद

अमृतसर से अहमदाबाद जा रही इंडिगो एयरलाइन की एक उड़ान खराब मौसम के कारण मार्ग भटककर पाकिस्तान में लाहौर के निकट चली गई और सुरक्षित रूप से भारतीय हवाई क्षेत्र की ओर लौटने से पहले गुजरांवाला तक पहुंच गई थी।

रविवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक फ्लाइट रडार के अनुसार 454 नॉट की गति से उड़ रहा भारतीय विमान ने शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे उत्तरी लाहौर में प्रवेश किया और रात आठ बजकर एक मिनट पर भारत लौट आया। बता दें, मई में पाकिस्तान में भारी बारिश होने के कारण पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन का एक विमान भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गया था और करीब 10 मिनट तक वह इधर घूमा था।

सीएए ने कहा- इसकी है इजाजत

नागर विमानन प्राधिकरण (सीएए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह असामान्य नहीं है, क्योंकि मौसम खराब होने की स्थिति में 'अंतरराष्ट्रीय रूप से इसकी इजाजत' होती है।

पाकिस्तान में भी खराब है मौसम

इस बीच, पाकिस्तान में हवाई अड्डों पर खराब दृश्यता के कारण उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया है, या उनमें देरी हुई है। सीएए के प्रवक्ता ने कहा कि अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दृश्यता 5,000 मीटर रहने के कारण लाहौर के लिए मौसम की चेतावनी की अवधि शनिवार रात 11:30 बजे तक बढ़ा दी गई थी।

WTC Final: फिर टूटा भारत का सपना

ऑस्ट्रेलिया बना वर्ल्ड चैम्पियन, रचा इतिहास

एजेंसी | लंदन

इंग्लैंड में रविवार को एक बार फिर भारतीय टीम का क्रिकेट टेस्ट विश्व विजेता बनने का सपना टूट गया।

द ओवल में ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को 209 रनों से हराते हुए पहली बार टेस्ट में विश्व विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। इसके साथ ही वह पहली ऐसी टीम बन गई है, जिसने वनडे, टी-20 और टेस्ट यानी इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में वर्ल्ड चैंपियनशिप अपने नाम की। भारत का आखिरी दिन 280 रन बनाने थे और उसके 7 विकेट बचे थे, लेकिन विराट कोहली और जडेजा एक ही ओवर में बोलैंड के शिकार बने और इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम का सपना चकनाचूर होते देर नहीं लगी। पिछली बार भारत को न्यूजीलैंड के हाथों इंग्लैंड में ही हार मिली थी।

बेटियों ने जीता जूनियर एशिया कप हॉकी खिताब

काकामिगाहारा। भारत ने रविवार को चार बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर पहली बार महिला जूनियर हॉकी एशिया कप का खिताब जीता। पहला क्वार्टर गोल रहित बराबर रहने के बाद भारत ने 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अनु के गोल की बदौलत बढ़त बनाई। दक्षिण कोरिया ने तीन मिनट बाद पार्क सियो यिओन के गोल की बदौलत स्कोर 1-1 कर दिया। नीलम ने 41वें मिनट में दक्षिण कोरिया की गोलकीपर के दाईं ओर से गोल दागकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ।

प्रदेश की सच्चाई बयां करते आंकड़े

गहलोत पर राज्य की अर्थव्यवस्था बर्बाद करने का आरोप हकीकत से परे

- विश्लेषण बताता है कि वित्तीय स्थिति अन्य राज्यों की तुलना में मजबूत
- एलपीजी, बिजली आदि पर सब्सिडी की घोषणा पर लग रहे आरोप
- प्रधानमंत्री मोदी भी 'रेवड़ी कल्चर' करार दे चुके हैं

बेधड़क | नई दिल्ली

जब से राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार ने बिजली और रसोई गैस सिलेंडर पर 'सब्सिडी' की घोषणा की है, भाजपा नेता आरोप लगा रहे हैं कि इन योजनाओं से राज्य की वित्तीय स्थिति को नुकसान पहुंच सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसे 'रेवड़ी कल्चर' बताया था। हालांकि, राजस्थान की वित्तीय स्थिति का विश्लेषण और इसकी तुलना अन्य राज्यों से करने पर सामने आता है कि यहां वित्तीय स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत है और सीएम गहलोत के नेतृत्व में स्थिति में सुधार ही हुआ है। एक न्यूज वेबसाइट 'द प्रिंट' में छपी रिपोर्ट के अनुसार न केवल राजस्थान का राजकोषीय घाटा गिर रहा है (इसका व्यय इसके राजस्व से अधिक है), बल्कि यह हाल ही में सभी राज्यों के औसत से भी तेजी से गिर रहा है।

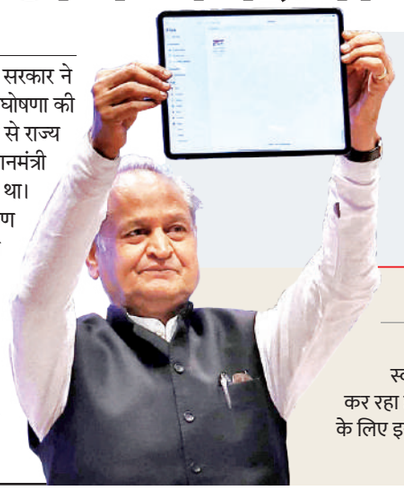

जीएसडीपी अन्य राज्यों के औसत से अधिक

राजस्व पक्ष पर, राजस्थान का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का प्रतिशत, पिछले एक दशक में सभी राज्यों के औसत से अधिक रहा है। हाल ही में यह अंतर और बढ़ गया है। विशेष रूप से राज्य आर्थिक रूप से भी अधिक स्वतंत्र हो गया है यानी, इसका अपना कर राजस्व और अपना गैर-कर राजस्व (केंद्र सरकार से बिना किसी मदद के यह जो पैसा कमाता है) दोनों सभी राज्यों के औसत से अधिक रहे हैं और दोनों बढ़ भी रहे हैं।

स्वास्थ्य और शिक्षा पर अधिकतम खर्च

रिपोर्ट के अनुसार व्यय पक्ष पर राजस्थान सभी राज्यों के औसत की तुलना में स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे सामाजिक क्षेत्रों पर अपने समग्र व्यय का अधिकतम खर्च कर रहा है। हालांकि, जहां राज्य का प्रदर्शन खराब है वो पूंजीगत व्यय है, जहां कुछ समय के लिए इसका खर्च औसत से कम रहा है, लेकिन यह भी हाल के कुछ वर्षों में बढ़ा है। तो, सब्सिडी के मोर्चे पर भी राजस्थान का खर्च औसत से अधिक रहा है।

राज्य सरकार की ठोस रणनीति

यह सब राज्य सरकार की एक ठोस रणनीति का हिस्सा है, ताकि लोगों को खर्च करने के लिए अधिक पैसे देकर मांग-पक्ष को बढ़ावा दिया जा सके। इसके बाद वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री से संग्रह को बढ़ावा देने और इस प्रकार राज्य के वित्त को मजबूत करने की उम्मीद है।

क्या कहते हैं अर्थशास्त्री

रिपोर्ट के अनुसार 'सब्सिडी' को लेकर अर्थशास्त्रियों का कहना है कि सस्ती गैस, मुफ्त साइकिल, या मुफ्त सिलाई मशीन के रूप में सब्सिडी प्राकृतिक गैस, साइकिल और सिलाई उद्योगों को समान प्रोत्साहन के रूप में काम कर सकती है।

राजकोषीय घाटा

कमी	
राजस्थान	1.9% अंक
अन्य राज्य	0.6 अंक
वृद्धि	
राजे सरकार में (वर्ष 12-13 से 18-19)	0.8% अंक
गहलोत सरकार में (पिछले साढ़े चार वर्ष)	0.5% अंक

जरूरी खबर

केंद्र की 9 साल की उपलब्धियां गिना रही भाजपा

जयपुर। भाजपा नेता अलग-अलग जिलों में दौरे कर केंद्र की 9 साल की उपलब्धियां गिना रहे हैं। रविवार को केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल व सांसद पूनम महाजन अलवर पहुंचे। जहां उन्होंने पहले सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के साथ बैठक, हरसोली में संयुक्त मोर्चा सम्मेलन, मुंडावर में टिफिन बैठक कर पूर्व सैनिकों के साथ संवाद किया। वहीं कलुका गांव में जनसभा को संबोधित किया। इसी तरह प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर डूंगरपुर दौरे पर रही।

संविधान में बंदूक की गोली से भी अधिक ताकत

जयपुर। नीति निर्धारण प्रकोष्ठ मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने रविवार को हनुमानगढ़ के नोहर में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग राजस्थान द्वारा स्वीकृत 16.77 करोड़ रुपए की लागत से पेयजल स्टोरेज टैंक एवं पंप हाउस निर्माण कार्यों का शिलान्यास एवं 1.60 करोड़ की लागत से बने नवनिर्मित नगरपालिका भवन का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आप अपने बच्चों को पढ़ाओ, ताकि वे आगे जाकर जिला कलेक्टर, एसडीएम और बड़े अधिकारी बन सके और यही हमारे संविधान की ताकत है। मेघवाल ने कहा कि बंदूक की गोली में जो ताकत नहीं है, वह संविधान में ताकत है।

खेल प्रतिभाओं के विकास के लिए बने प्रभावी योजना

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य में आदिवासी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं के प्रशिक्षण एवं उन्हें आधुनिक खेल सुविधाएं प्रदान करने के लिए अलग से योजना बनाकर प्रभावी रूप में कार्य किया जाना चाहिए। राज्यपाल मिश्र रविवार को माउंट आबू स्थित पोलो ग्राउंड में राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा आयोजित 63वें केंद्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने खिलाड़ियों एवं कोच के प्रोत्साहन के लिए स्पोर्ट्स पर्सन पेंशन योजना, खेलों के लिए अलग से स्टेट इंस्टिट्यूट की स्थापना, प्रत्येक ब्लॉक में चरणबद्ध रूप से मेजर ध्यानचंद स्टेडियम जैसे कार्यों की सराहना भी की।

मुख्यमंत्री बोले-सरकार जनता की ट्रस्टी, अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाने के लिए कर रही काम

सभी वर्गों को लाभान्वित करने में जुटी सरकार: गहलोत

■ **सामाजिक सुरक्षा पेंशन 15 प्रतिशत हर साल बढ़ेगी**

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं से राज्य का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

राज्य सरकार जनता के ट्रस्टी के रूप में अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा जमा किए टैक्स से ही योजनाओं की सफल क्रियान्विति संभव हो रही है। गहलोत रविवार को

चित्तौड़गढ़ की बड़ी सादड़ी के गांव चैनपुरिया में 107.82 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजस्थान पानी, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित आधारभूत ढांचे के विकास कार्यों में मॉडल स्टेट बन गया है। सरकार सभी वर्गों को लाभान्वित कर उनके सपनों को साकार करने में जुटी है। सामाजिक सुरक्षा में पेंशन 15 प्रतिशत हर साल बढ़ेगी।

गनोड़ा को पंचायत बनाने की घोषणा

वहीं गहलोत ने बांसवाड़ा की घाटोल तहसील के मोटागांव में 672.50 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास समारोह में भाग लिया। इस अवसर गहलोत ने गनोड़ा तहसील को पंचायत समिति बनाने की घोषणा की। सीएम ने प्रतापगढ़ में विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास, लोकार्पण और उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतापगढ़ जिले में 5 साल में कृषि, संस्कृत, लड़कियों के कॉलेज सहित सात कॉलेज बने हैं। जबकि राजस्थान के किसी भी जिले में सात कॉलेज नहीं बने हैं। उन्होंने कहा कि प्रतापगढ़ में जिला अस्पताल में बेड की संख्या 100 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। पिछले 70 साल में राज्य में 250 कॉलेज खुले थे और उनकी सरकार के साढ़े चार साल के शासन में 300 कॉलेज खोले गए। इसमें बालिकाओं की शिक्षा को लेकर विशेष ध्यान रखा गया है और 130 कॉलेज उनके लिए खोले गए हैं। गहलोत ने कहा कि क्षेत्र के विधायकों ने जो मांगा, सरकार ने मना नहीं किया। इसलिए राजस्थान में विकास का इतिहास बन गया है। सीएम ने शिविर का निरीक्षण किया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से बात की।

त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री गहलोत ने रविवार को बांसवाड़ा स्थित त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में पूजन कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान माता की पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्यमंत्री अर्जुन सिंह बामनिया, समाजसेवी दिनेश खोड़निया सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

विधानसभा चुनावों से पहले अपनी रणनीति बनाने में जुटी भाजपा

भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग का ऐलान, सरकार को घेरेगी BJP

सचिवालय का घेराव कल, 14 जून को विधायक, सांसद देंगे योजना भवन पर धरना

बेधड़क | जयपुर

आगामी विधानसभा चुनावों से पहले प्रदेश भाजपा पूरी तरह आक्रामक रूप में नजर आ रहीं है। भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग का ऐलान करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने राज्य सरकार को घेरने की तैयारी कर ली है।

जयपुर में मंगलवार को सचिवालय के घेराव को लेकर प्रदेश भाजपा कार्यालय में रविवार को हुई बैठक में पदाधिकारियों ने समीक्षा कर रणनीति तैयार की। बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के खिलाफ 13 जून को भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग का ऐलान किया जाएगा और भरतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में सचिवालय पहुंचकर राज्य सरकार का घेराव करेंगे।

घेराव के दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा सहित सभी विधायक, जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी भी शामिल होंगे। सुबह 10 बजे सभी कार्यकर्ता भाजपा मुख्यालय पर एकत्रित होंगे।

जहां पहले एक सभा होगी और इसके बाद घेराव के लिए पैदल मार्च होगा। समीक्षा में राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर, प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, पूर्व सांसद नारायण पंचारिया, प्रदेश मंत्री श्रवण बगड़ी, मीडिया संपर्क प्रमुख आनन्द शर्मा एवं राजेन्द्र सिंह शेखावत उपस्थित रहे।

भ्रष्टचार को करेंगे उजागर: किरोड़ी

प्रदर्शन के अगले दिन बुधवार को योजना भवन पर भाजपा धरना देगी। इसे लेकर सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने बैठक के बाद कहा कि अब हम कांग्रेस सरकार में हुए भ्रष्टचार को उजागर करेंगे। 14 जून को हम योजना भवन पर एक दिन का धरना देकर लोकतांत्रिक तरीके से सरकार के भ्रष्टाचार को आमजन तक पहुंचाएंगे। किरोड़ी ने कहा कि मैंने भ्रष्टाचार से संबंधित सभी दस्तावेज एवं सबूत ईडी के अधिकारियों को सौंप दिए हैं।

सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी: राठौड़

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। योजना भवन की एक अलमारी में 2.31 करोड़ की नकदी और सोना पाया जाता है, जिसके बाद सरकार ने अपने संस्थागत भ्रष्टाचार को छिपाने की कोशिश करते हुए महज एक अधिकारी को मोहरा बनाया। उच्च अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। यदि इसकी सही ढंग से जांच होती तो इसकी जद में भ्रष्ट अधिकारियों सहित कई बड़े नाम सामने आते।

केजरीवाल गंगानगर में करेंगे रैली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 18 जून को श्रीगंगानगर में रैली को संबोधित करेंगे। केजरीवाल के प्रदेश दौरे को सफल बनाने के लिए प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा ने रविवार को अलवर, जयपुर में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। यहां मिश्रा ने राजधानी के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में जनसंपर्क कर कांग्रेस-भाजपा सरकारों की मिलीभगत से प्रदेश में अपराध, भ्रष्टाचार, बिजली, पानी, शिक्षा, रोजगार की स्थिति से लोगों को अवगत कराया।

आरएलपी 8 जगह करेगी प्रदर्शन

जून माह में आरएलपी सरकार के खिलाफ 8 जगह प्रदर्शन करेगी। आरएलपी संयोजक व सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि प्रदेश में माफियाओं का राज है और भ्रष्टाचारी जनता को लूट रहे है। इसी मुद्दें को लेकर आरएलपी प्रदर्शन करेगी।

पूर्व सीएम ने किया कटाक्ष

सिंहासन के लिए संघर्ष, एक-दूसरे पर चला रहे तीर: राजे

बेधड़क | जयपुर/ऋषिकेश

मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने प्रदेश में वर्तमान सियासत में चल रहे सिंहासन के संघर्ष को लेकर कहा कि एक समय था जब पिता के आदेश पर भगवान राम सिंहासन छोड़ कर 14 वर्ष तक वनवास गए। भरत को सिंहासन पर बैठाने की भी तैयारी हुई, लेकिन उन्होंने त्याग की मिसाल पेश की।

बड़े भाई राम की चरण पादुकाओं को सिंहासन पर रख कर ही शासन चलाया, लेकिन खुद सिंहासन से दूर रहे। पूर्व सीएम ने कहा कि उस समय दोनो भाइयों का त्याग देखिए और आज दोनो में सिंहासन के लिए किस तरह संघर्ष हो रहा है, यह देखिए। किस तरह एक-दूसरे के ऊपर तीर चलाए जा रहे हैं। राजे रविवार को ऋषिकेश में संत चिदानंद जी सरस्वती द्वारा आयोजित राम कथा में बोल रही थी। रामकथा व्यास थे मुरलीधर जी महाराज। पूर्व सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के प्रयास से अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर बन रहा है।

वे बोलीं, राम राज्य की कल्पना तब साकार होती है, जब धर्म और राजनीति साथ चले। राम को हृदय में बसा लीजिए। मन में राम नाम का जप कीजिए। फिर कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, पर 'मुख में राम बगल में छुरी' मत करिये। जैसा कि आज कल हो रहा है। पूर्व सीएम ने चिदानंद सरस्वत महाराज ने पर्यावरण और जल संरक्षण अभियान की तारीफ की।

इंदिरा गांधी का 'गरीबी हटाओ' नारा हो रहा साकार

कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिलकर रंधावा ने लिया फीडबैक

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के दौरे पर पहुंचे प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने जयपुर में पीसीसी वॉर रूम में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और फीडबैक लिया। प्रदेशभर के नेताओं से गत दिनों से वह लगातर फीडबैक ले रहे हैं।

बैठक के बाद रंधावा ने कहा कि महंगाई राहत कैंप पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के गरीबी हटाओ के नारे को साकार कर रहे हैं। इंदिरा गांधी ने बहुत साल पहले गरीबी हटाओ का नारा दिया था। उसी तरह आज महंगाई राहत कैंप

लगाए जा रहे हैं। वहीं, 50 साल पहले जो नारा दिया गया था, उसी नारे को लेकर हम चल रहे हैं। हम उनके सपने को साकार करने के लिए काम कर रहे हैं।

रंधावा ने कहा कि जब भाजपा विपक्ष में थी और सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपए का इजाफा होता था, तो शोर मचाया जाता था। अब जब राजस्थान में सिलेंडर 500 रुपए में दिए जा रहे हैं, तो केंद्र सरकार को भी गरीबों को राहत देने के लिए इस योजना को पूरे हिंदुस्तान में लागू करना चाहिए। रंधावा ने टिकट वितरण को लेकर कहा कि प्रदेश के चुनाव में जातिगत गणित का भी अहम स्थान है। जातिगत समीकरण के साथ ही इस बार टिकट वितरण में प्रत्याशियों की लॉयल्टी भी देखी जाएगी। ऐसे लोग जो कांग्रेस से नाता तोड़कर घर बैठ गए हैं, उनके परिवारों से मिल उन्हें वापस कांग्रेस में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

टीकाराम जूली ने नेत्र जांच शिविर में की शिरकत

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि नेत्र जांच शिविर स्वस्थ समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने अलवर के चांदोली गांव में राजीव गांधी सेवा केंद्र पर आयोजित शिविर में कहा कि प्रत्येक रविवार को अलवर ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम पंचायत में ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि नेत्र रोगियों को स्थानीय स्तर पर उपचार की सुविधा मिल सके। जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार का निरोगी राजस्थान का सपना धरातल पर क्रियान्वित हो रहा है।

डॉ. बनय सिंह को ईडी के बुलावे पर सरकार को घेरा

पूर्व शिक्षा मंत्री का आरोप, सत्ता में बैठे लोगों ने कराया पेपर लीक

बेधड़क | जयपुर

पूर्व शिक्षा मंत्री विधायक वासुदेव देवनानी ने पेपर लीक कांड में राजीव गांधी स्टडी सर्किल के डॉ. बनय सिंह को ईडी के बुलावे पर राज्य सरकार पर हमला बोला है। देवनानी ने कहा कि ईडी के बुलावे से साफ है कि पेपर लीक में कांग्रेस सरकार के मंत्री की सरपरस्ती में चलने वाले संगठन और सरकार के कद्दावर लोगों का हाथ है।

आरपीएससी जैसी पवित्र संस्था में बाबू लाल कटारा जैसे लोगों की नियुक्ति किसके इशारे पर हुई, यह भी जांच का विषय है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता विधायक वासुदेव देवनानी ने डॉ. बनय सिंह को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि हम पेपर लीक के समय से कह रहे हैं कि इस कांड में सरकार के कद्दावर लोगों का हाथ है। राजीव गांधी स्टडी सर्किल कांग्रेस के एक मंत्री की सरपरस्ती में चलता है। देवनानी ने कहा कि रीट का पेपर लीक कांड प्रदेश के लाखों बेरोजगारों के सपनों पर कुठाराघात था। यह बहुत गंभीर बात है कि यह सब सरकार के प्रतिनिधियों और अफसरों की जानकारी और मिलीभगत से हुआ। सब जानते हैं कि राजीव गांधी स्टडी सर्किल का सर्वेसर्वा कौन है, कौन इस पेपर लीक को लीड कर रहा था।

देवनानी ने आरपीएससी में बाबूलाल कटारा की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए।

मुख्यमंत्री ने 406 पदों के सृजन को दी मंजूरी

कई जिलों में खुलेंगे सरकारी कार्यालय, प्रशासनिक तंत्र होगा और मजबूत

■ **चार एडीएम, 3 उपखंड, 12 तहसील व 16 उप तहसील कार्यालय खुलेंगे**

बेधड़क | जयपुर

राज्य सरकार प्रदेशवासियों को सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में 4 अतिरिक्त जिला कलेक्टर, तीन नए उपखण्ड, एक नए तहसील, 11 क्रमोन्नत तहसील व 16 नए उप तहसील कार्यालयों के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

न कार्यालयों के संचालन के लिए 406 नए पदों का सृजन भी

किया जाएगा। इसमें रावतभाटा (चित्तौड़गढ़), भीनमाल (जालौर), सीकर शहर एवं मालपुरा (टोंक) में अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय खोले जाएंगे। साथ ही, रींगस (सीकर), माधोराजपुरा (जयपुर) एवं टपूकड़ा (अलवर) में नए उपखण्ड कार्यालय खोले जाएंगे। वहीं, टोंक के अलीगढ़ में नया तहसील कार्यालय खोला जाएगा। साथ ही राजलदेसर (चूरू), मांढण एवं प्रतापगढ़ (अलवर), रूदावल (भरतपुर), जुरहरा (भरतपुर), हदा (बीकानेर), बाटाडू (बाड़मेर), भांडारेज (दौसा), जालसू (जयपुर), पिलानी (झुंझुनूं) एवं रायथल (बूंदी) में उप तहसील कार्यालय अब क्रमोन्नत होने पर तहसील कार्यालय के रूप में संचालित होंगे।

इसके अलावा बघेरा (अजमेर), डूंगरा छोटा (बांसवाड़ा), हरसानी (बाड़मेर), ददरेवा (चूरू), बसई एवं नादनपुर (धौलपुर), नारंगदेसर (हनुमानगढ़), रेनवाल मांजी (जयपुर), चंदवाजी (जयपुर), गीजगढ़ (दौसा), बबाई (झुंझुनूं), कैलादेवी (करौली), लूणवा एवं दीनदारपुरा (नागौर), कल्याणपुर (उदयपुर) तथा रिडमलसर (श्रीगंगानगर) में नए उप तहसील कार्यालय खोले जाएंगे।

गहलोत की इस स्वीकृति से 4 एडीएम कार्यालयों के लिए कुल 40 पद, 3 उपखण्ड कार्यालयों के लिए 36 पद, एक नई तहसील के लिए 25 पद, 11 क्रमोन्नत तहसीलों के लिए 209 पद एवं 16 नए उप तहसीलों के लिए 96 पदों सहित कुल 406 पदों का सृजन होगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा बजट 2023-24 में विभिन्न प्रशासनिक इकाइयों के सुदृढ़ीकरण के लिए घोषणा की गई थी।

29 कॉलेजों में शुरू होंगे नए संकाय

संचालन के लिए 253 नए पदों का होगा सृजन

राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 29 राजकीय महाविद्यालयों में विभिन्न विषयों से संबंधित नए संकाय खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। साथ ही, नए संकायों के लिए आवश्यक नए पदों के सृजन एवं वित्तीय प्रावधान को भी मंजूरी प्रदान की है। प्रदेश के 22 सह-शिक्षा महाविद्यालयों एवं 6 कन्या महाविद्यालयों में कला, विज्ञान एवं वाणिज्य से संबंधित नए संकाय खोले जाएंगे। नए संकायों के संचालनके लिए सहायक आचार्य के 131,

प्रयोगशाला सहायक के 52, प्रयोगशाला वाहक के 52 सहित कुल 235 पदों का सृजन किया जाएगा। इसके लिए 33.26 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रावधान रखा गया है।

मावली महाविद्यालय होगा क्रमोन्नत

साथ ही, उदयपुर स्थित राजकीय महाविद्यालय, मावली को राजनीति विज्ञान विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर क्रमोन्नत किया जाएगा। यहां स्नातक स्तर पर विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय खोले जाएंगे। नए संकायों के लिए सहायक आचार्य के 10, प्रयोगशाला सहायक के 4, प्रयोगशाला वाहक के 4 पद सहित कुल 18 नए पद सृजित होंगे। इसके लिए लगभग 2.55 करोड़ रुपए की वित्तीय मंजूरी भी दी गई है।

जरूरी खबर

2 माह से अपहृत बालिका यूपी से दस्तयाब

जयपुर। नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर शादी का ढोंग रचाकर उत्तर प्रदेश ले जाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को जयपुर कमिश्नरेट की कानोता थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह बालिका 8 अप्रैल से गायब थी। इस संबंध में परिवादी ने पुलिस को रिपोर्ट दी थी कि स्कूल जाने के लिए घर से निकली उनकी पुत्री शाम तक घर पर नहीं आई। मामले को लेकर परिवादी के उच्च न्यायालय में हैबियस कॉर्पस दाखिल करने पर पुलिस ने सर्च अभियान को तेजी से चलाकर नाबालिग को दस्तयाब कर आरोपी सोहन लाल उर्फ सोनू उर्फ कानू बैरवा पुत्र हजारी लाल बैरवा ग्राम अचलपुरा पुलिस थाना तूंगा को दो माह बाद गिरफ्तार कर लिया।

राजस्थान हाई कोर्ट के जज से ठगी का प्रयास

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट के जज से ठगी का प्रयास करने का मामला सामने आया है। ई ठगी करने का प्रयास करने वाले बदमाश ने उनके मोबाइल पर फोन कर उनके अकाउंट से संबंधित जानकारी मांगी और जब उन्होंने जानकारी नहीं दी अपशब्द बोले। इसके बाद मिली शिकायत पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन एसओजी ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। इस संबंध में हाईकोर्ट जज के कोर्ट मास्टर ने दो दिन पहले थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 8 जून को किसी बदमाश ने जज के मोबाइल पर कॉल करके पहले नाम व परिचय पूछा। उसके बाद क्रेडिट कार्ड के संबंध में बात करते हुए बैंक खाते की जानकारी जुटाने का प्रयास किया। जज ने जानकारी नहीं देने से इनकार किया तो ठग ने अकाउंट व क्रेडिट कार्ड बंद करने की बात कही। जज ने परिचय पूछा तो कॉलर ने गलत जानकारी दी और अभद्र भाषा का प्रयोग किया।

कर्नल राठौड़ के नेतृत्व में भारतीय फौज ने दिखाया था दम, वीरता के लिए मिला सेना मेडल

चीन को नाकों चने चबाने वाले 'नाथुला टाइगर' का निधन

बेधड़क | जयपुर

भारत- चीन युद्ध (1967) में चीनी सैनिकों को नाकों चने चबाने वाले 'नाथुला टाइगर' कर्नल बिशन सिंह राठौड़ का 84 वर्ष की उम्र में रविवार सुबह निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवारसुबह ग्यारह बजे सीकर रोड स्थित मोक्षधाम में सैन्य सम्मान के साथ किया जाएगा।

उनकी शव यात्रा सोमवार सुबह दस बजे उनके निवास स्थान से रवाना होकर सीकर रोड मोक्षधाम पहुंचेगी। कर्नल राठौड़ 1961 में सेना में भर्ती हुए थे। उन्होंने 1967 के भारत- चीन युद्ध में नाथुला में सेना की टुकड़ी की कमान संभाली। युद्ध के दौरान हाथ में गोली लगने से वह घायल हो गए थे, लेकिन उनकी टुकड़ी के अदम्य साहस से चीन की सेना को वापस लौटना पड़ा। इसलिए बिशन सिंह को 'नाथुला टाइगर' के नाम से जाना जाता है। युद्ध में वीरता के लिए उन्हें सेना मेडल से नवाजा गया था। कर्नल बिशन सिंह वर्ष 1990 में सेना से रिटायर हुए।

राठौड़ के जीवन पर बनी फिल्म पलटन

राठौड़ की युद्ध वीरता पर फिल्म निर्देशक जेपी दत्ता ने वर्ष 2018 में इनके जीवन पर आधारित फिल्म पलटन बनाई थी। फिल्म में सोनू सूद ने बिशन सिंह का किरदार अदा किया था। कर्नल राठौड़ पिछले कुछ वर्षों से लेखन कार्य भी कर रहे थे। उनकी रचित एक किताब ट्रांसेंडिंग सॉरो एंड सफ्रिंग प्रकाशित हो चुकी है। उनकी नई किताब माइंडफुलनेस ऑफ डिवाइन इनसाइट भी प्रकाशित होने वाली है।

युद्ध में हुए थे 80 जवान शहीद

साल 1967 में भारत-चीन में नाथू ला से सेबू ला तक तार लगाकर बॉर्डर को परिभाषित करने पर टकराव शुरू हुआ था। नाथू ला दर्रा तिब्बत-सिक्किम सीमा 14,200 फीट उचाई पर स्थित है। इससे होकर पुराना गंगटोक-यातुंग-ल्हासा व्यापार मार्ग गुजरता है। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान चीन ने भारत को नाथू ला और जेलेप ला दर्रे खाली करने को कहा। भारत के जेलेप ला तो खाली कर दिया, लेकिन नाथू ला दर्रे पर स्थिति पहले जैसी ही रही। युद्ध के दौरान कर्नल किशन सिंह के बाएं हाथ में गोली लगी। युद्ध के दौरान भारत के 80 सैनिक शहीद हुए थे, जबकि चीन के 300 से 400 सैनिक मारे गए थे। एक तरफ जहां उनका उपचार चल रहा था, उनकी पत्नी जतन कंवर ने 13 सितंबर को पुत्र को जन्म दिया था।

गैंगस्टर अंडरग्राउंड, अब गुर्गों ने शुरू किया फिरौती का धंधा

अपराध जगत में आजकल केतली ठंडी और चाय गर्म

नेताओं को जान से मारने की धमकी देने वाले बदमाशों का नहीं निकला गैंगस्टर्स से संबंध

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में दूसरे बदमाश गेंगस्टर्स के नाम का भय फैला रहे हैं। कुख्यात व चर्चित गिरोह के नाम पर फिरौती के लिए फोन पर धमकी देने का सिलसिला सा चल पड़ा है। कभी लॉरेंस, कभी अनमोल विश्नोई तो कभी रोहित गोदारा तो कभी रितिक बॉक्सर के नाम पर राजनीतिक चेहरों और व्यापारियों को धमकी देकर फिरौती मांगी जा रही है।

दहशत फैलाने वाली इन धमकियों का असली सच ही यह है कि यह बड़े गैंगस्टर के नाम पर झूठी दी जा रही हैं। पुलिस की पड़ताल में ज्यादातर प्रकरणों में फिरौती के लिए धमकाने वाले फर्जी गैंगस्टर ही निकले हैं।

विधायकों तक को धमका रहे 'फर्जी' गैंगस्टर

हाल ही में नागौर पुलिस के हत्थे चढ़े संजय चौधरी और पवन गोदारा ने खास खुलासे किए। रोहित गोदारा के नाम से गैंगस्टर राजू ठेहट की हत्या का बदला लेने के लिए विधायकों को धमकाने वाले बदमाशों ने कई खुलासे किए हैं। इन आरोपियों ने रोहित गोदारा बन और दुबई से कॉल कर प्रदेश के चार विधायकों सहित कई लोगों को धमकी दी। इनमें भाजपा नेता व राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल और श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी भी शामिल हैं। इन्होंने ही नितिन गडकरी को भी धमकी दी थी। इसके अलावा लाडनूं विधायक मुकेश भाकर और रतनगढ़ विधायक अभिनेष महर्षि को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने कार्रवाई की तो यह खुलासा हुआ है कि धमकी देने वाले गोदारा, बॉक्सर या लॉरेंस नहीं बल्कि मास्टरमाइंड संजय चौधरी और पवन गोदारा थे।

केस 01 ज्योति नगर थाने में 12 अप्रैल को व्यापारी रोहित अग्रवाल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, जिसमें बताया था कि कॉलर ने खुद को गोल्डी बराड़ बताकर 2 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद जयपुर कमिश्रनेट पुलिस ने जांच की तो रोहित अग्रवाल को धमकी भरा कॉल एक एप के जरिए किया गया था और यह हरकत जयपुर के सौरभ सिंह ने की थी, जो पहले वह उसी अपार्टमेंट में सेक्युरिटी इंचार्ज रह चुका है, जहां रोहित रहता है।

केस 02 सात अप्रैल को व्यापारी लाल कुमार ने पुलिस थाना गलतागेट में एक एफआईआर दर्ज करवा कहा कि 6 अप्रैल उससे लॉरेंस के नाम पर दो करोड़ रुपए की मांग की। इस पर जांच हुई तो फिरौती मांगने वाले बदमाश हरेन्द्र उर्फ हरि खुडीवाल, रूपेश कुमार, राजू नोगिया और नीरज गिरी को गिरफ्तार किया, जिनका लॉरेंस गैंग से कोई सम्पर्क नहीं था।

केस 03 रायसर थाने में शिकायत हुई कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का ममेरा भाई बताकर 13 दिसंबर को कमलेश कुमार मीणा और सांसद बेनीवाल की गोली मारकर हत्या करने की धमकी दी गई। जांच हुई तो धमकी देने वाला गैंगस्टर्स नहीं, बल्कि दूसरा बदमाश निकला जिसको पुलिस ने हैदराबाद से गिरफ्तार किया।

केस 04 अप्रैल के दूसरे सप्ताह में ही वैशाली नगर क्षेत्र में गैंगस्टर राजू ठेहट के नाम से कॉलेज संचालिका को धमकी देकर छह करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया था। पुलिस ने जांच की तो पता लगा कि कॉलेज संचालिका मंजूला शर्मा की ओर से दर्ज करवाया गया मामला झूठा निकला। महिला ने सिर्फ पुलिस पर दवाब बनाने और जमीनी विवाद के चक्कर में राजू ठेहट का गुर्गों का नाम ले एफआईआर दर्ज करवाई थी।

कल शहीद स्मारक पर जुटेंगे

आंदोलन की राह पर फिर संविदा कर्मी

बेधड़क | जयपुर

संयुक्त संविदा मुक्ति मोर्चा के बैनर तले एक बार फिर सविंदाकर्मी आंदोलन को लेकर शहीद स्मारक पर जुटेंगे। मंगलवार को सविंदाकर्मी स्थायीकरण के मुद्दे, आईएएस पैटर्न में संशोधन, अप्रशिक्षितों को प्रशिक्षित सहित अन्य विभागों की कई मांगों को लेकर शहीद स्मारक से आंदोलन शुरू करेंगे। मुक्ति मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष नरेंद्र चौधरी ने बताया कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले 1 लाख 10 हजार संविदा कर्मियों को स्थाई करने का वादा किया था, लेकिन अभी तक एक भी संविदा कर्मी स्थाई नहीं हुआ है। पंचायत शिक्षक संघ के संयोजक और संयुक्त मोर्चा के प्रवक्ता रामजीत पटेल ने बताया कि सरकार ने संघ को अलग अलग टुकड़ों में तोड़ दिया, ताकि संविदा कर्मी एकजुट होकर सरकार से लड़ नहीं सके। पटेल ने कहा कि ये आंदोलन आर पार का होगा। सरकार ने पिछले घोषणा पत्र में 100 दिन में हमारी मांग को सरकारी दस्तावेज बनाने की बात कही थी, लेकिन सरकार पूरा कार्यकाल होने के बाद भी स्थायी नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार जब तक मांगें नहीं मानेगी तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

कनिष्ठ सहायक भर्ती परीक्षा 2022 का परिणाम जारी

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने कनिष्ठ न्यायिक सहायक के पद पर संयुक्त भर्ती का अंतिम परिणाम रविवार को जारी किया। उच्च न्यायालय की ओर से विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के लिए कनिष्ठ सहायक और राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी और जिला न्यायालयों के लिए क्लर्क ग्रेड-II के लिए भर्ती की गई।

311 छात्रों ने दी एमबीए प्रवेश परीक्षा

जयपुर। राजस्थान विश्व विद्यालय के संघटक कॉलेज आर ए पोद्दार कॉलेज में एमबीए में प्रवेश के लिए दी जाने वाली परीक्षा रविवार को राजस्थान कॉलेज में सम्पन्न हुई। परीक्षा नियंत्रक राकेश राव ने बताया कि प्रवेश परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित हुई है। परीक्षा में कुल 311 विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रवेश परीक्षा के प्रश्नों की उत्तर कुंजी आज जारी की जाएगी।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

शीतलता की तलाश...

जयपुर। राजधानी में गर्मी ने फिर से तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। इसके चलते दिन में सड़कें सूनीं रहने लगी हैं। गर्मी से आदमी तो परेशान हैं ही जानवर भी राहत तलाशते फिर रहे हैं। रविवार को तेज धूप में द्रव्यवती नदी के पानी में मस्ती करते स्ट्रीट डॉग्स। **-फोटो: राजेश कुमावत**

आमरण अनशन आठवें दिन भी रहा जारी

सब्र टूटा, मंत्रालयिक कर्मचारी आज घेरेंगे CMO

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ का महापड़ाव रविवार को 63वें दिन भी जारी रहा। महापड़ाव स्थल पर रविवार को 8वें दिन आमरण अनशन जारी रहा। तबीयत बिगड़ने के कारण एक कर्मचारी अभी भी एसएमएस में उपचाररत है।

सोमवार को प्रदेश भर के मंत्रालयिक कर्मचारी 11:00 बजे सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके लिए मंत्रालयिक कर्मचारी होटल राजमहल चौराहा सी स्कीम में एकत्रित होकर सचिवालय के पश्चिम द्वार पर पहुंच कर प्रर्दशन करेंगे। प्रदेशाध्यक्ष राजसिंह चौधरी ने कहा कि मंत्रालयिक कर्मचारी पिछले 63 दिन से हड़ताल पर है तथा 56 दिन से महापड़ाव डाले हुए हैं। इस दौरान 5 कर्मचारी वीरगति को प्राप्त हो चूके हैं। प्रदेश टिब्यूनल के चेयरमैन कमलेश शर्मा ने कहा कि समाधान नहीं हुआ तो मुख्यमंत्री आवास पर भी घेराव किया जायेगा। इस दौरान जितेंद्र राठौड़,भीगा राम चौधरी, रामजीलाल मीणा, मुकेश मुदगल, राकेश बारा, दिनेश स्वामी, अमित जैमन, पुरूषोत्तम टेलर, राजेश नामा, गोविन्द भाटी, चंदन पचौली, सुनील मोदी, प्रदीप जागावत, हनुमान शर्मा, अजय शर्मा, शेलेश पारीक, अविनाश पुण्डरीक, भुवनेश शर्मा, सुरेन्द्र फोजी, लोकेश वशिष्ठ, राकेश मोड़, नेत्रकमल मुदगल, गोपाल अवस्थी, केशव शर्मा, चन्द्रशेखर कुमावत, जगदीश चौधरी, अशोक चौधरी सहित कई नेता मौजूद रहे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस आज

बचपन को नहीं मिल रहा अधिकार, फिर से लौट रहे हैं अंधेरे रास्तों में...

बेधड़क | जयपुर

पूरा विश्व आज बाल श्रम दिवस निषेध मना रहा है, लेकिन जिन होनहारों के लिए ये दिन मनाया जाता है, वे आज भी अंधेरे रास्तों में भटकते हुए नरकीय जीवन जी रहे हैं। जिस उम्र में बच्चों में खेल-कूद और शिक्षा की लौ जगानी होती है, वहां पर वे अंधेरी कोठरियों में अपना बालपन खो रहे हैं।

पिछले कई सालों से बालश्रम के खिलाफ काम कर रही एक एनजीओ की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में पूरे राजस्थान में 800 से ज्यादा बाल मजदूरों को रेस्क्यू कराया गया। इनमें जयपुर के उत्तर जिले में सबसे ज्यादा कार्रवाई की गई, लेकिन सिस्टम की लापरवाही और इनके पुनर्वास को लेकर कोई ठोस योजना नहीं बनाए जाने के कारण दूर प्रदेशों में रहने वाले ये नाबालिग फिर से दलदल में फंसते जा रहे हैं।

रेस्क्यू करवाए गए इन बालकों के लिए ठोस सरकारी योजना नहीं होने के कारण ये बालक फिर से उसी अंधेरी काल कोठरी में जाने के लिए मजबूर हो रहे है।

बाल तस्करी के खिलाफ कई सफल रेस्क्यू कर चुके एक पुलिस अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि पुलिस तो अपना काम खूब कर रही है, लेकिन बच्चों के भविष्य को लेकर बड़े स्तर पर कोई ठोस प्लानिंग नहीं की जा रही है। यही कारण है कि वे वापस इसी दलदल में आने को मजबूर हो रहे हैं।

भरण पोषण के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति

बाल श्रम से रेस्क्यू किए गए नाबालिग को सरकार की ओर से करीब 20 हजार रुपए दिए जाते हैं। जो बच्चे कई हजारों किमी दूर से मजदूरी करने आते हैं,उनके परिवार की स्थिति अत्यंत निर्धन होती है। ऐसे में मात्र 20 हजार रुपए में कैसे उनका जीवन सुधरे। इसी कारण कुछ समय बाद कारखानों के ठेकेदार फिर से उनके परिवार को झांसा देकर नाबालिगों को जबरन बालश्रम में धकेल देते हैं, हालांकि कई सामाजिक संस्थाएं उनके अधिकारों के लिए प्रयासरत है, लेकिन अधिकार मिलने में देरी के कारण वे एक बार फिर से अपना जीवन अंधकार में डालने को मजबूर हो रहे हैं।

उत्तर जिले में सबसे ज्यादा केस

जयपुर में उत्तर जिले में सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। इसका मुख्य कारण चारदीवारी में चूड़ी-बैंगल्स का व्यापार होना। अधिकतर व्यापारी उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल निवासी है। ये कम पैसों में इन्हीं क्षेत्रों से नाबालिगों को पढाई और अच्छी परवरिश देने के नाम पर ले आते हैं। बदले में कुछ पैसा इनके परिवारजन को दे आते हैं। पुलिस आयुक्तालय के उत्तरी क्षेत्र में चूडी बनाने के सैकड़ों कारखाने हैं। जिनमें हजारों की तादाद में नाबालिग बालश्रम करने को मजबूर है। हालांकि, पुलिस प्रशासन कई एनजीओ के साथ समय- समय पर अभियान चलाकर नाबालिगों का रेस्क्यू करती है, लेकिन ये नाकाफी है। पिछले वर्ष के आंकडो की बात करें तो अकेले भट्टा बस्ती में 200 बच्चों को रेस्क्यू कराया है।

जनजागरुकता से ही अपराधों में कमी

नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के निर्देशन में बालश्रमिकों के लिए कार्य कर रही बचपन बचाओ आंदोलन के निदेशक मनीष शर्मा ने बताया कि लोगो में जागरूकता, सरकारी योजना को अंत्योदय तक पहुंचाना, शिक्षण व्यवस्था को सरलीकरण और बालश्रम जैसे अपराधो में जल्द सुनवाई और फैसलों से ही इस जघन्य अपराध में कमी आ सकती है। हालांकि, सरकार ने जरूर इस अपराध पर सख्त सजा का प्रावधान बना दिया है, लेकिन आज भी कई मामले वर्षो के कोर्ट में लंबित है। अपराधी कोर्ट से बाहर आकर फिर यही काम करता है।

खाने के नाम पर खबूस और काम 18 घंटे

बालश्रम में लिप्त अपराधी इन मासूम बच्चों को नारकीय जीवन जीने को मजबूर करते है। घर पर अच्छी पढ़ाई के साथ कमाई का झांसा दे इन्हे अपने साथ ले आते हैं। कुछ समय तो इन्हें बढ़िया भोजन उपलब्ध कराया जाता है, फिर इन्हे काल कोठरी में बंद कर सिर्फ काम कराया जाता है। बंद कमरों में भट्टी की आंच में ये मासूम जीवन भी भीख मांग - मांग कर थक जाते है, लेकिन इन्हे सुनने वाला कोई नहीं होता है। खाने के नाम पर मैदे से बनी खबूस (मोटी रोटी) दी जाती है काम नहीं करने पर सिर्फ मार ही मिलती है।

जरूरी खबर

पिकअप की टक्कर से राहगीर की मौत, जताया रोष

करौली। पटौदा गांव के पास रविवार सुबह पिकअप गाड़ी ने पैदल जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। हादसे के बाद पिकअप चालक ने व्यक्ति को 60 फीट तक घसीटा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए ग्रामीणों ने श्री महावीरजी मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। पुलिस ने लोगों को समझाइश देर जाम खुलवाया। मृतक के भाई ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे दोनों श्यामनगर से पटोदा की तरफ घूमने जा रहे थे। इस दौरान खेड़ा की तरफ से आ रही पिकअप ने भाई को टक्कर मार दी।

अस्पताल के बाहर प्रसव मामले में जीएनएम एपीओ

करौली। जिले की मासलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर ही प्रसूता का प्रसव होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देश पर चिकित्सा विभाग ने एक दिन में जांच पूरी कर लापरवाही बरतने वाली जीएनएम को एपीओ कर दिया है। वहीं 108 एंबुलेंस संस्थान पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जांच में सामने आया कि प्रसूता को रेफर किया, लेकिन जब प्रसूता ने रेफरल स्थान पर जाने से मना किया तो मेडिकल स्टाफ द्वारा साधन अथवा 108 एंबुलेंस की व्यवस्था के लिए प्रयास नहीं किया गया। वहीं पैसे मांगने एवं धक्का देकर बाहर निकालने के कोई तथ्य सामने नहीं आए हैं।

स्मैक और देसी कट्टा जब्त, चार बदमाश गिरफ्तार

अजमेर। सिविल लाइन थाना पुलिस ने स्पेशल पुलिस टीम की सूचना पर चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से सात ग्राम स्मैक व देसी कट्टा भी जब्त किया गया है। कोतवाली थानाधिकारी दिनेश जीवनानी ने बताया कि बस स्टैंड स्थित माता मंदिर के पास बैठे चार युवकों की सूचना के आधार पर तलाशी ली तो एक के पास से देसी कट्टा और दूसरे के पास 7 ग्राम स्मैक मिली, जो अलीगढ़ से लेकर आए थे। पकड़े गए आरोपियों में धौलाभाटा निवासी देवेश, रोहित, जादूघर निवासी सौरभ कुमार उर्फ सैन्की और 9नम्बर पेट्रोल पम्प के पास रहने वाला राज सैनी है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

जल्द मिलेगी सौगात: 1150 मीटर लंबा सड़क मार्ग दो लेन में तैयार, अड़चनों के चलते तैयार होने में लगे चार साल

कोटा को ट्रैफिक लाइट फ्री करने की मुहिम होगी साकार

बेधड़क | कोटा

शहर को ट्रैफिक लाइट फ्री करने की मुहिम अब रंग लाने लगी है। इसके तहत कोटा में कई वैकल्पिक मार्ग तैयार किए गए हैं। ऐसा ही एक वैकल्पिक मार्ग हेमू कॉलोनी भवन से दादाबाड़ी चौराहे तक तैयार किया गया है।

इस मार्ग को बनाने के लिए नौ माह का समय निर्धारित किया गया था, लेकिन काफी कुछ अड़चनों के चलते इसे तैयार करने में चार साल का समय लग गया। हालांकि अब इसका काम लगभग पूरा होने को है और जल्द ही आमजन को इसकी सौगात मिलेगी। 1150 मीटर लंबा सड़क मार्ग दो लेन का बनाया

गया है। इसका 600 मीटर हिस्सा जमीन पर और 550 मीटर हिस्सा साजिदेहड़ा नाले पर एलिवेटेड के रूप में बना है।

काफी अड़चनों के चलते यह दो से तीन बार काम बंद हो गया। नगर विकास न्यास के सचिव राजेश जोशी का कहना है कि इस वैकल्पिक मार्ग का निर्माण कार्य अंतिम चरण में काम चल रहा है और जून महीने में यह काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद मार्ग का लोकार्पण कराया जाएगा और आम जनता को इससे फायदा मिलेगा। हेमू कलानी से दादाबाड़ी वैकल्पिक सड़क मार्ग को कनेक्ट करने वाले दोनों छोर पर जंक्शन भी स्थापित किए जा रहे हैं।

नगर विकास न्यास ने साल 2019 में हेमू कॉलोनी भवन से दादाबाड़ी चौराहे तक नई सड़क बनाने की योजना शुरू कर दी थी। इसका टेंडर 11 करोड़ रुपए में हुआ था। इसके बाद ठेकेदार ने दादाबाड़ी सर्किल से दुर्गा बस्ती तक 600 मीटर की सड़क भी बना दी। आगे की सड़क के लिए दुर्गा बस्ती के कुछ मकानों को तोड़ना था, जिसके विरोध में मकान मालिक न्यायालय में चले गए और इस मामले में स्टे लग गया। साल 2021 में इसके प्लान में बदलाव किया गया, जिसके तहत यहां से गुजर रहे नाले पर एलिवेटेड सड़क बनाना तय किया गया।

गहरा गया था विवाद

साजिदेहड़ा नाला एयरपोर्ट की बाउंड्री के सहारे बह रहा है। ऐसे में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने नाले की जमीन को अपनी बता दिया और कहा कि जब बाउंड्री बनाई जा रही थी, तब इस नाले के लिए जगह एयरपोर्ट अथॉरिटी ने छोड़ी थी, यह जगह उन्हें आवंटित है। ऐसे में नगर विकास न्यास और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में विवाद गहरा गया और उसका काम बंद हो गया। साल 2023 में इस विवाद का सीमांकन के बाद हल हुआ और नगर विकास न्यास ने दोबारा काम शुरू किया। वर्तमान में काम 90 फीसदी पूरा हो गया है, केवल नाले के एक हिस्से में ही निर्माण शेष है। यह निर्माण होने के बाद इसी माह कार्य पूरा हो जाएगा।

लाखों लोगों को मिलेगा फायदा

वैकल्पिक मार्ग के तैयार होने के बाद लाखों लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी। घोड़े वाले बाबा सर्किल से सीएडी सर्किल जाने वाले वाहनों में करीब 70 फीसदी दादाबाड़ी सर्किल जाने वाले शामिल हैं। हजारों की संख्या में वाहन यहां से गुजरते हैं। वाहन चालकों को इस नए मार्ग से फायदा होगा। उनको करीब 500 मीटर के आस-पास कम चलना होगा। दूसरी तरफ सीएडी से दादाबाड़ी सर्किल के बीच हो रहे भारी यातायात के दबाव से भी बचाव होगा। इसमें दादाबाड़ी, जवाहर नगर, महावीर नगर, रंगबाड़ी, संतोषी नगर, केशवपुरा, बसंत बिहार और तलवंडी जाने वाले वाहन चालक शामिल हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री की प्रतिमा अनावरण समारोह में बोले पूर्व उपमुख्यमंत्री

राजेश पायलट ने स्वाभिमान व आदर्शों से नहीं किया समझौता

■ सांसद जौनापुरिया बोले- कंफ्यूज हैं पूर्व उपमुख्यमंत्री

बेधड़क | दौसा

कांग्रेस नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को कहा कि उनका जो विश्वास और वादा है उस पर न वह पहले पीछे हटे, न अब हटने वाले हैं और चाहे जो भी हो, लोगों के लिए लड़ना और उन्हें न्याय दिलाना उनका वादा था और वादा रहेगा।

उन्होंने कहा कि 'नीली छतरी वाला' सबसे बड़ा न्याय देता है और आज नहीं तो कल न्याय होगा। दौसा के गुर्जर छात्रावास में अपने पिता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक जनसभा में कहा कि राजनीति में बहुत लोग आते जाते रहते हैं और प्रधान, प्रमुख, विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बनते हैं, लेकिन मेरा मानना है कि हम किसी भी पद पर

हर गलती की सजा तो होती ही है

पायलट ने कहा कि जब वह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष थे तब उन्होंने मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का साल के 365 दिन विरोध किया था, लेकिन कभी उनके मुंह से कोई छोटी बात या अपशब्द नहीं निकला, लेकिन मैं आज भी कहता हूं आपने खान आवंटित की थी। चोरी पकड़ी गई तो उसे आपने रद्द कर दी, लेकिन हर गलती की सजा तो होती ही है। उन्होंने अपने पिता राजेश पायलट को याद करते हुए कहा कि वह हमेशा दृढ़ता से बोलते थे और इसलिए करोड़ों लोग उनकी बात सुनते थे। उन्होंने राजनीतिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन अपने आदर्शों और स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया और अपनी कार्यशैली से छाप छोड़ी।

हों या न हों, जनता हमेशा तौलती है कि हम जो कहते हैं क्या हम उसे पूरा करते हैं। जनता के बीच विश्वसनीयता पहली प्राथमिकता है और यही राजनीति की सबसे बड़ी पूंजी है। पायलट ने कहा कि मैं पिछले 20-22 वर्षों से राजनीति में हूं और मैंने ऐसा कोई काम नहीं किया, जिससे ऐसा लगे कि विश्वास में कमी आ गई हो। आपका भरोसा मेरे लिए सबसे बड़ी पूंजी है, मैं इसे कभी कम नहीं होने दूंगा। वहीं पायलट के बयानों को लेकर भाजपा नेताओं ने पलटवार करते हुए कहा कि यह सारा किस्सा कुर्सी का है।

भाजपा बोली- मामला भ्रष्टाचार का नहीं, कुर्सी का संघर्ष

उधर नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने पायलट पर हमला बोलते हुए कहा कि यदि पूर्व सरकार के भ्रष्टाचार के संबंध में उनके पास कोई तथ्य थे तो वे 19 महीने तक उपमुख्यमंत्री रहे, तब क्यों चुप रहे? कैबिनेट की कई मीटिंग में भी शामिल हुए, उस समय उन्होंने यह मसला क्यों नहीं उठाया? राठौड़ ने कहा कि ये मामला भ्रष्टाचार का नहीं है, बल्कि असली वजह कुर्सी का संघर्ष है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पायलट 'कहीं पर निगाहें कहीं पर निशाना' की तर्ज पर गहलोत का कंधा इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने पायलट की जन संघर्ष यात्रा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि नौजवानों से पीछे नहीं हटने का वायदा कर वे हाईकमान से मिलने पहुंच गए, यह क्या है?वहीं टोंक सवाई माधोपुर से बीजेपी के सांसद और गुर्जर नेता सुखबीर सिंह जौनापुरिया ने एक बार फिर सचिन पायलट को कंफ्यूज बताते हुए हमला बोला है। उसने कहा कि पायलट फैसला नहीं ले पा रहे हैं। सचिन पायलट मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कोरोना, नाकारा, निकम्मा बताने के बाद भी आदरणीय कहते हैं। जब आदरणीय ही मानना है तो जनता को क्यों बेवकूफ बना रहे हैं। अगर पायलट ने पहले फैसला ले लिया होता तो आज उनके साथ लोग होते। जौनापुरिया ने कहा कि अब वक्त निकल गया है। पायलट के हाथ कुछ आने वाला नहीं है।

बैंक के बाहर से उखाड़ ले गए थे मशीन

38.31 लाख रुपए से भरे एटीएम लूटने के दो आरोपी पकड़े

बेधड़क | बाड़मेर

थाना नागाणा क्षेत्र के कवास कस्बे से एक साल पहले 38.31 लाख रुपए से भरे को एटीएम उखाड़ ले जाने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर थाना शेरगढ़ जिला जोधपुर ग्रामीण निवासी आरोपी गोपाल खान उर्फ गोपे खान (24) और थाना देचू जिला जोधपुर ग्रामीण निवासी सोगत खान उर्फ छोगे खान (31) को दस्तयाब किया गया है। एसपी दिगंत आनंद ने बताया कि 14 जून 2022 की रात कवास कस्बे में एसबीआई बैंक के बाहर स्थित एटीएम बूथ से अज्ञात बदमाश एटीएम मशीन उखाड़ ले गए थे।

एटीएम में 38 लाख 31 हजार 500 रुपए थे। एसबीआई की एटीएम मैनेजमेंट कंपनी ट्रांसेक्शन इंटरनेशनल जयपुर के कर्मी विक्रम सिंह चौहान की रिपोर्ट पर 15 जून को मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। घटना में एक साल से अधिक समय निकल जाने के बाद भी आरोपियों का सुराग नहीं

लगने को गंभीरता से लेकर एसपी दिगंत आनंद की ओर से विशेष टीम गठित की गई। संयुक्त टीमों ने संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ और आसूचना संकलित करते हुए संदिग्ध गोपाल खां और सोगत खान को डिटेन कर पूछताछ के बाद घटना का खुलासा कर दिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने मामा के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था।

वारदात से पहले रैकी की गई थी। आरोपियों ने घटना में प्रयुक्त बोलेरो कैंपर गाड़ी जैसलमेर के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र से चोरी की थी। घटना के बाद सोगत खां के गांव कनोडिया महासिंग में खेत पर एटीएम को ले जाकर उसमें से रुपए निकाले थे।

पड़ोसी महिला घर पहुंची तो हुआ खुलासा

खाने में नशीला पदार्थ खिला शादी के दो महीने बाद दुल्हन हुई फरार

बेधड़क | भरतपुर

जिले के मथुरा गेट थाना इलाके में एक दुल्हन शादी के दो महीने बाद ही ससुराल वालों को भोजन में नशीला पदार्थ खिलाकर फरार हो गई। घटना का खुलासा तब हुआ जब पडोसी महिला के पास दुल्हन के पिता का फोन आया और वह फोन लेकर उसके घर पहुंची।

वहां पड़ोसी महिला को कोई उल्टी करता हुआ मिला तो कोई दर्द से करहा रहा था। इसके बाद पड़ोसी महिला ने दुल्हन के पिता और आस-पास के लोगों को बताया। इसके बाद पुलिस

को मामले की जानकारी दी गई। पुलिस ने सभी घर वालों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना जिले के किशनपुरा की है। जानकारी के अनुसार 24 साल के कृष्णा की शादी चिकसाना निवासी सुमन से 14 अप्रैल को हुई थी। इसके बाद सुमन अपने ससुराल में ही रह रही थी। शनिवार रात को सुमन ने खाने में लौकी के पकोड़े और सब्जी बनाई थी, जिसमें उसने नशीला पदार्थ मिला दिया और उसे पति कृष्णा, ससुर कालीचरण, जेठ रामवीर और जेठानी जलदेई को खिला दिया। खाने के बाद सभी लोग अचेत हो गए और सुमन घर से फरार हो गई।

पुलिस की सूचना पर पहुंची एफएसएल की टीम ने सब्जी सहित अन्य सैंपल भी लिए हैं, जिनकी जांच के बाद आगे की स्थिति साफ होगी। पुलिस की टीम को सुमन को भी तलाश कर रही है।

नेशनल हाईवे पर तड़के हुआ हादसा, चार व्यक्ति घायल

बैरियर से टकराई जीप, 3 लोगों की मौत

बेधड़क | कोटा

नेशनल हाईवे-27 पर रविवार को एक सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। वहीं चार जने घायल हो गए। हादसे के शिकार सभी लोग जीप में सवार थे और एकाएक जीप बेकाबू होकर कृष्ण बैरियर से टकरा गई।

हादसे में 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। चार अन्य घायलों का इलाज जारी है। पुलिस उपाधीक्षक चतुर्थ हर्षराज सिंह खरेड़ा ने

बताया कि भोपाल से दौसा के लिए एक जीप में सवार होकर कुछ लोग जा रहे थे।

यह सभी लोग आपस में रिश्तेदार थे। भोपाल में इन्होंने एक बड़े आयोजन के लिए टेंट लगाया था। कार्यक्रम पूरा होने के बाद ये लोग वापस लौट रहे थे। इसी दौरान तड़के 3 से 4 बजे के बीच अनंतपुरा से हैंगिंग ब्रिज के पास ये हादसे का शिकार हो गए। डीएसपी खरेड़ा ने बताया कि दुर्घटना का कारण वाहन के अनियंत्रित होना सामने आ रहा है, जिसके चलते ये जीप क्रैश बैरियर से टकरा गई। घटना के कुछ ही देर बाद वहां से पुलिस का पेट्रोलिंग वाहन गुजर रहा था, जिसने इस दुर्घटना में घायल लोगों को देखा। इनमें 3 लोग बाहर थे, जबकि 4 वाहन में फंसे हुए थे।

मृतकों व घायलों की हुई शिनाख्त

मृतकों में दौसा निवासी सिकंदर (22) साहब सिंह, लालसोट निवासी बन्ना लाल (36) और मनभावन गुर्जर (45) शामिल है। इधर, घायलों की शिनाख्त विश्राम (24), लोकेश (18), सोनू (19) और हरकेश (16) के रूप में हुई है।

पहली बार हो रही प्रतियोगिता में कई देशों के खिलाड़ी दिखा रहे दम

टूर्नामेंट में चमक रहे अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के सितारे

बेधड़क | दौसा

जिले में पहली बार पहली बार आयोजित हो रहे अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट का उल्लास खेल प्रेमियों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। श्रीजय भवानी स्पोर्ट्स क्लब के 61 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित हो रहे टूर्नामेंट में कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अपना दम दिखा रहे हैं। वहीं स्थानीय खिलाड़ियों को भी उनके दाव-पेंच सीखने को मिल रहे हैं।

रविवार से शुरू हुए इस प्रथम अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में कृषि राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा, राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल

मीणा, सभापति ममता चौधरी, पूर्व विधायक शंकर लाल शर्मा, मानगंज व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश चौधरी एवं टूर्नामेंट आयोजन कमेटी के अध्यक्ष लोकेश शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष अरुण शर्मा रेंजर उपस्थित रहे। वहीं फुटबॉल टूर्नामेंट को लेकर पहले दिन ही खेल प्रेमियों में अपार उत्साह दिखाई दिया।

मैच को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सफेद फ्लर्ड लाइटों से जगमगाते मैदान पर जैसे ही खिलाड़ियों ने मैच की शुरूआत तो दर्शकों की जोश ध्वनी से माहौल गूंजायमान हो उठा। वहीं खिलाड़ियों ने भी मुकाबला जीतने के मकसद से मैदान पर जमकर पसीना बहाया। इस अन्तरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए मैदान पर भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

मुंबई ने 1-0 से जीता मैच

अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच मुंबई वर्सेस पंजाब के बीच 9 बजकर 3 मिनट पर शुरू हुआ। 9 बजकर 21 मिनट पर मैच के 18 मिनट में मुंबई के जर्सी नंबर 9 गौरव ने शानदार प्रदर्शन कर हेडर से गोल किया। मैच के बीसवें मिनट पर मुंबई को एक और शानदार मौका मिला और बॉल पोल से टकराकर वापस आ गई। पंजाब के 16 नंबर जर्सी को येलो कार्ड दिखाया, पंजाब के जर्सी नंबर 38 को येलो कार्ड दिखाया गया तथा पंजाब के 8 नंबर जर्सी अनुज को रेड कार्ड दिखाया गया। इस प्रकार मुंबई ने यह मैच 1-0 से जीता। वहीं मैन ऑफ द मैच मुंबई के गौरव रहे।

भूटान व हरियाणा के बीच हुआ नाइट मैच

फुटबॉल टूर्नामेंट में पहला नाइट मुकाबला भूटान और हरियाणा की टीम के बीच खेला गया। वहीं दूसरा मुकाबला नेपाल और दिल्ली के मध्य खेला जाएगा। पहले दिन उद्घाटन समारोह में कृषि राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा एवं राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने भवानी क्लब से जिले में फुटबॉल स्टेडियम बनाने का वादा किया। इसके लिए उन्होंने क्लब के अध्यक्ष लोकेश शर्मा से इसका प्लान तैयार कर भिजवाने को कहा।

महिलाओं ने सेमिनार में सीखे मेकअप के गुर

बेधड़क | दौसा

दा लेडीज क्लब की ओर से रविवार को फर्स्ट टॉवर में 'सजना है मुझे सजना के लिए' मेकअप सेमीनार का आयोजन किया गया।

इसमें प्रदेश की कई मशहूर मॉडल्स ने शिरकत की। कार्यक्रम संयोजक सुशील कुमार शर्मा ने बताया की सेमिनार में मिसेज इंडिया ग्लेम अंजू यादव, मिस इंडिया ग्लेम विनर रनर अप सिमरन सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। इसके अलावा मेकअप आर्टिस्ट अजय गुप्ता, मशहूर मॉडल अनन्या जोशी और हेयर आर्टिस्ट रंजना भी सेमिनार में शामिल हुईं। अतिथियों का ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की सह संयोजक एकता तिवारी ने बताया कि मेकअप आर्टिस्ट अजय गुप्ता ने मॉडल्स अनन्या जोशी और शीतल जोशी का मेकअप कर वहां मौजूद महिलाओं को मेकअप से संबंधित बारीकियों का ज्ञान दिया।

वर्ल्ड डे अगेंस्ट चाइल्ड लेबर

बचपन की कहानी में मुस्कान नहीं, बाल श्रम का दर्द हो रहा है शामिल

मजबूरी के पाटों में पिस रहा है बचपन

मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन, वो कागज की कश्ती वो बारिश का पानी... बचपन से जुड़ी ये पंक्तियां शायद ही किसी ने नहीं सुनी हों। बचपन पूरे जीवन का सबसे अच्छा समय होता है। यह ऐसा वक्त होता है जब बच्चों को किसी प्रकार की कोई चिंता या फिक्र नहीं होती है। जिंदगी का भरपूर आनंद लेने का सबसे अच्छा वक्त होता है। हां, यह बात भी है कि बड़ी संख्या में बच्चे ऐसे भी हैं, जिनके इन खुशियों भरे दिनों को मजबूरी की नजर लग जाती है। लाचारी और गरीबी से त्रस्त बच्चों को बचपन से ही बाल श्रम जैसी समस्या से जुझना पड़ता है। बाल श्रम बच्चों के लिए अभिशाप बन गया है। बच्चों को बाल श्रम के इस दलदल से बाहर निकालने के लिए हर साल 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत साल 2002 में हुई थी। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन द्वारा इस दिन की शुरुआत की गई। इसके बाद से हर साल यह दिवस मनाया जा रहा है। बढ़ते बाल श्रम को देखते हुए इस दिन को मनाने का फैसला किया। एक कानून के तहत फैसला लिया गया था कि छोटे बच्चों से काम कराना अपराध की श्रेणी में आएगा। भारत में बाल श्रम की स्थिति को लेकर कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं है। साल 2011 जनगणना के मुताबिक भारत में 5 से 14 साल तक के 25.96 बच्चों में से 1.01 करोड़ बाल श्रमिक है। करीब 43 लाख से अधिक बाल मजदूरी करते पाए गए थे। यूनिसेफ के अनुसार यह आंकड़ा दुनिया के बाल मजदूरों का 12 फीसदी भारत का ही है। सबसे अधिक बाल श्रमिक अफ्रीका में पाएं गए थे। जहां पर 7.21 करोड़ बच्चे बाल श्रम करते हैं।

किताब नहीं औजार थामे हैं मासूम हाथ

भारत के ये राज्य बाल मजदूरों का गढ़

भारत में भी बाल मजदूर बड़ी तादाद में हैं, लेकिन इन 5 राज्यों में सबसे अधिक है। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश। इन सभी में सबसे अधिक बाल मजदूर उत्तर प्रदेश और बिहार में हैं। उत्तर प्रदेश में 21.5 फीसदी यानी 21.80 फीसदी है और बिहार में 10.7 फीसदी यानी 10.9 बाल मजदूर हैं। वहीं राजस्थान में 8.5 लाख बाल मजदूर है।

बाल श्रम के मुख्य कारण

गरीबी, पैसों की तंगी, शिक्षा का अभाव, बेरोजगारी, माता-पिता की मृत्यु।

भारतीय संविधान में बाल मजदूरी से जुड़े प्रावधान

बाल मजदूरी पर रोक के लिए संविधान, मौलिक अधिकारों और राज्य के विभिन्न अनुच्छेदों के माध्यम से कहा जाता है कि -

- अनुच्छेद 15 (3) के तहत बच्चों के लिए अलग से कानून बनाने का अधिकार है।
- अनुच्छेद 21 - 6 -14 साल के बच्चों के लिए निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है।
- अनुच्छेद 23 - बच्चों के खरीदी-बिक्री पर रोक लगाती है।
- अनुच्छेद 24 - 14 साल से कम आयु के बच्चों को जोखिम भरे काम करने पर प्रतिबंध है।

कई निजी संस्थाएं जुटी

बाल श्रम के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 12 जून के दिन विश्व बाल निषेध दिवस मनाया जाता है। इस दिन दुनिया भर में सरकारी और गैर सरकारी यानी कि निजी तौर पर ढेरों कार्यक्रम होते हैं। इनमें जागरूकता गोष्ठी, रैली, सेमिनार सभी कुछ शामिल होता है। लोगों को बाल श्रम की स्थिति और इससे जुड़े कानून से अवगत कराया जाता है। दुनिया भर में बाल अधिकार संरक्षण पर काम हो रहा है। कई निजी संस्थाएं इस दिशा में काम कर रही हैं। वह श्रम विभाग, पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर जगह जगह से बाल मजदूरों को मुक्त कराने का उपक्रम करती हैं। यहां तक कि बचपन आंदोलन चलाने भारत के कैलाश सत्यार्थी को पाकिस्तान की मलाला यूसुफजई के साथ संयुक्त रूप से नोबेल पुरस्कार भी मिल चुका है। इन तमाम बातों के बावजूद आज भी लाखों की तादाद में देश में बाल श्रमिक कार्य कर रहे हैं। उनकी सबसे ज्यादा संख्या असंगठित क्षेत्र और कृषि क्षेत्र में देखने को मिल रही है।

लापता बच्चों की संख्या में हुई बढ़ोतरी

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार साल 2019 में चाइल्ड ट्रैफिकिंग के लगभग 2,200 मामले सामने आए थे। एक्सपर्ट्स का कहना है कि आंकड़ा इससे कहीं अधिक हो सकता है क्योंकि कई बार पीड़ित पुलिस के पास मामला दर्ज नहीं कराते हैं, उन्हें कानून की जानकारी नहीं होती है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल 40,000 बच्चों का अपहरण कर लिया जाता है, जिनमें से 11,000 का पता नहीं चल पाता है। 'क्राइम इन इंडिया' 2019 रिपोर्ट के अनुसार, कुल 73,138 बच्चे लापता बताए गए थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2019 में लापता बच्चों की संख्या में 8.9% की वृद्धि हुई। 2018 में लापता बच्चों की संख्या 67,134 थी।

आओ जाने...
बालश्रम (निषेध और विनियमन) संशोधन अधिनियम 2016

सन् 2016 में कानून लाकर बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम 1986 में संशोधन किया गया और बाल श्रम (निषेध और विनियमन) संशोधन अधिनियम 2016 लागू किया गया। बाल श्रम पर इस नए कानून को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने मंजूरी दी। इसके तहत किसी भी काम के लिए 14 साल से कम उम्र के बच्चे को नियुक्त करना गैर कानूनी माना गया है। यदि कोई नियोक्ता 14 साल से कम उम्र के बच्चों को किसी कार्य पर लगाता है तो ऐसा करने पर उसे दो साल तक की कैद की सजा या जुर्माना या सजा और अधिकतम 50 हजार रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। यह कानून 14 से 18 साल तक की उम्र के किशोरों को खान के साथ ही अन्य ज्वलनशील पदार्थ या विस्फोटकों जैसे जोखिम वाले कार्यों में रोजगार पर लगाने पर भी दिए जाने का प्रावधान किया गया है। हालांकि यह कानून फिल्मों, विज्ञापनों और टीवी उद्योग में बच्चों के काम करने पर लागू नहीं होता। अगर 14 से 18 की उम्र वालों से काम लिया जाए, लेकिन इसके अगर काम की समय सीमा तय न हो और रजिस्टर मेंटेन न किया जाए, स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी उल्लंघन किए जाएं तो एक माह तक की जेल और साथ ही 10 से लेकर 20 हजार रुपए तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। अगर आरोपी ने इस कानून के तहत पहली बार अपराध किया है तो उस पर केवल जुर्माना लगाया जा सकता है।

बजट में कमी का भी पड़ेगा असर

हां, यहां ध्यान देने वाली एक बात यह है कि इस साल के बजट में मनरेगा की राशि में कमी की गई है। एक्सपर्ट्स की मानें तो बजट 2023-24 में श्रम मंत्रालय को मिले फंड में बाल कल्याण के लिए आवंटित राशि में कटौती गई है। इसके कारण विशेषज्ञों ने बाल श्रम और चाइल्ड ट्रैफिकिंग में बढ़ोतरी की आशंका जाहिर की है। उनका कहना है कि पहले से ही बाल कल्याण के लिए काफी कम राशि मिलती थी और इस बार इसमें फिर से कटौती की गई है। बजट 2023-24 में श्रम मंत्रालय ने बाल कल्याण मद की राशि में 33 फीसदी की कटौती की है। 2023-24 के बजट में मनरेगा के लिए 60,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है जो पिछले वित्त वर्ष के संशोधित बजट 89,000 करोड़ रुपए से करीब 34 फीसदी कम है। इसके कारण गरीब परिवारों को रोजगार कम मिलेगा और उनके आय में कमी होगी, इससे इन परिवार के बच्चों पर काम करने का दबाव बढ़ेगा। दुनिया के कई देशों के राष्ट्रीय बाल-श्रम कानून होने के बावजूद आज पूरी दुनिया में 1.51 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक हैं। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न एजेंसियों की 2021 की एक रिपोर्ट दर्शाती है कि दो दशकों में दुनिया भर में काम पर लगाए जाने वाले बच्चों का आंकड़ा अब 16 करोड़ पहुंच गया है। पिछले चार वर्षों में इस संख्या में 84 लाख की वृद्धि हुई है।

कोरोना के बाद बिगड़े हालात

कोविड-19 महामारी के कारण गरीबी में बढ़ोतरी, सामाजिक सुरक्षा की कमी और घरेलू आय में कमी के कारण गरीब परिवारों के बच्चों को मजबूरी में बाल श्रम करना पड़ा है। कोरोना महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन के कारण गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति काफी खराब हो चुकी है। भारत की जनगणना 2011 के अनुसार 1.01 करोड़ बच्चे जो बाल मजदूरी करते थे, जिनमें से 81 लाख ग्रामीण क्षेत्रों के थे जो मुख्य रूप से कृषि (23%) और खेतिहर मजदूरों (32.9%) के रूप में कार्यरत थे।

2023-24 के बजट में मनरेगा के लिए 60,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है जो पिछले वित्त वर्ष के संशोधित बजट 89,000 करोड़ रुपए से करीब 34 फीसदी कम है।

कन्टेंट/ डिजाइन : अजय कुमार शर्मा/विमल सिंह तंवर

22वें विधि आयोग की केंद्र से अनुशंसा

नहीं हटेगा राजद्रोह का कानून

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार
व पत्रकार

राजद्रोह या देशद्रोह कानून को लेकर विधि आयोग की अनुशंसा ने तय कर दिया है कि फिलहाल इस कानून का अस्तित्व बना रहेगा। पिछले साल मई में सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-124-ए पर रोक लगा दी थी। इसी धारा के अंतर्गत देशद्रोह का कानून परिभाषित है। देश के 22वें विधि आयोग ने इसे आवश्यक बताते हुए केंद्र सरकार से अनुशंसा की है कि इसका और कढ़ाई से पालन तो किया ही जाए, साथ ही सरकार इसे जरूरी बदलावों के साथ लागू रहने दे। कानून का दुरुपयोग न हो, इसलिए सजा तीन साल से बढ़ाकर उम्रकैद तक कर दी जाए अथवा सात साल की सजा और जुर्माना तय किए जाएं।

सरकार इस सिलसिले में आदर्श दिशा-निर्देश भी जारी करे। 279 पृष्ठीय इस रिपोर्ट में आयोग ने कहा है कि कानून के संभावित दुरुपयोग के संबंध में न्यायालय द्वारा बार-बार की गई टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए ही ये सिफारिशें की गई हैं। दरअसल न्यायालय ने कहा था कि सरकार की निंदा या आलोचना करने के लिए किसी व्यक्ति पर राजद्रोह या मानहानि का आरोप नहीं लगाया जा सकता। इस कथन से साफ होता है कि देश की न्यायपालिका लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ है।

यह बात राजद्रोह एवं मानहानि को परिभाषित करने वाली धारा 124 और 124-ए के परिप्रेक्ष्य में कही गई थी। इसी क्रम में न्यायालय ने धारा 124-ए को निष्क्रिय कर दिया था, लेकिन आयोग ने राजद्रोह कानून से जुड़ी धारा 124-ए को बहाल रखने की सिफारिश करते हुए, सजा भी बढ़ाने की सिफारिश कर दी है। इन धाराओं में दर्ज मामलों की जांच पुलिस निरीक्षक या इसके ऊपर की श्रेणी के अधिकारी राज्य या केंद्र सरकार की बिना अनुमति के कर सकेंगे। धारा 124-ए के अंतर्गत लिखित या मौखिक शब्दों, चिन्हों प्रत्यक्ष या अप्रत्क्ष तौर से नफरत फैलाने या असंतोष जाहिर करने पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया जा सकता है। इस धारा के तहत दोषी पर आरोप साबित हो जाए तो उसे तीन साल के कारावास तक की सजा हो सकती है। 1962 में शीर्ष न्यायालय के सात न्यायाधीशों की खंडपीठ ने 'केदारनाथ बनाम बिहार राज्य' प्रकरण में राजद्रोह के संबंध में ऐतिहासिक फैसले में कहा था कि 'विधि द्वारा स्थापित सरकार के विरुद्ध अव्यवस्था फैलाने या फिर कानून या व्यवस्था में गड़बड़ी पैदा करने या फिर हिंसा को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति या मंशा हो तो उसे राजद्रोह माना जाएगा।'

इसी परिभाषा की परछाईं में हार्दिक पटेल बनाम गुजरात राज्य से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 'यदि कोई व्यक्ति अपने भाषण या कथन के मार्फत विधि द्वारा स्थापित सरकार के खिलाफ हिंसा फैलाने का आह्वान करता है तो उसे राजद्रोह माना जाएगा।' अदालत के इन फैसलों के अनुक्रम में किसी अन्य देश की प्रशंसा, परमाणु संयंत्रों का विरोध, राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े नहीं होना, जैसे आचरण जरूर राजद्रोह नहीं कहे जा सकते हैं, लेकिन 'भारत तेरे टुकड़े होंगे हजार' जैसे नारे न केवल राजद्रोह हैं, बल्कि राष्ट्रद्रोही भी हैं।' इस परिप्रेक्ष्य में यह समझ लेना भी जरूरी है कि संविधान का अनुच्छेद 19-1 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी जरूर देता है, लेकिन इस पर युक्तियुक्त प्रतिबंध भी लगाया गया है। इस संदर्भ में एके गोपालन बनाम मद्रास राज्य से जुड़े फैसले में साफतौर से कहा गया है कि 'बेहतर होगा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सामाजिक हित व अन्य बृहत्तर सामाजिक हितों के अधीन हों।' वास्तव में यही बृहत्तर सामाजिक हित राज्य को भारत की संप्रभुता, अखंडता तथा राज्य की सुरक्षा से जोड़ते हैं। इसलिए आयोग की सिफारिशों में स्पष्ट है कि राष्ट्र विरोधी मतांतरण भी विकसित देशों में लगभग नहीं है। भारत में नक्सलवाद और उग्रवाद भी सिर उठाते रहते हैं। ऐसे में राजद्रोह कानून यदि समाप्त कर दिया जाता है तो भारत को विखंडित होने में समय नहीं लगेगा? यह तब और आवश्यक है, जब चीन और पाकिस्तान जैसे देश भारत को तोड़ने में लगे हों।

कनाडा में बैठे अलगाववादी खालिस्तान को हवा दे रहे हों? बावजूद जनतंत्र में सरकार से असहमति लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक अनिवार्य पहलू है। बशर्ते उसमें राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता को चुनौती नहीं हो, साथ ही हिंसा और अराजकता के लिए भी कोई जगह न हो? इस दृष्टि से यदि कोई नागरिक सामाजिक समूह या विपक्षी दल सरकार की आलोचना या नीतिगत बदलाव की बात करता है तो सरकार को उसकी बात न केवल सुनने की जरूरत है, बल्कि यदि कोई नया विचार आता है, तो उस परिप्रेक्ष्य में नीतिगत बदलाव किए जाने की जरूरत है। नए विचार का पुलिसिया दमन तानाशाही प्रवृत्ति का प्रतीक है। इसीलिए किसी कानून की न्यायालय व्याख्या और पुलिसिया परिभाषा में अंतर है। पुलिस जहां कानून को लागू करने के बहाने क्रूरता अपना लेती है, वहीं न्यायालय विधि शास्त्र का ख्याल रखती है।

इस लिहाज से कानून के जहां संतुलित उपयोग की जरूरत है, वहीं राज या राजद्रोह जैसे कानून को अपवाद स्वरूप ही अमल में लाने की जरूरत है। दरअसल बीते नौ सालों में देखने में आया कि परमाणु संयंत्र का विरोध करने, फेसबुक पोस्ट लाइक करने, प्रतिद्वंद्वी क्रिकेट टीम की हौसला अफजाई करने, किसी दूसरे देश की तारीफ करने, कार्टून बनाने या फिर सिनेमा घर में राष्ट्रगान के समय खड़ा न हो पाने के लिए भी देशद्रोह के मामले या तो दर्ज किए जाने लगे या फिर किए जाने की मांग कथित नवराष्ट्रवादियों द्वारा उठाई गई? ऐसे समाजसेवियों, लेखकों और बुद्धिजीवियों के विरुद्ध भी मामले दर्ज किए गए, जो सरकार की राय से अलग विचार रखने वाले थे या फिर सरकार की नीतियों व कार्यप्रणाली की आलोचना कर रहे थे। इस प्रकृति के ज्यादातर मामलों में आरोप सिद्ध नहीं हो पाते हैं, लेकिन अदालत की लंबी और महंगी प्रक्रिया से गुजरना किसी सजा से कम नहीं है, क्योंकि व्यक्ति हर दिन एक नई शंका-कुशंका से प्रताड़ित होता है। 1860 में अस्तित्व में आए इस औपनिवेशिक कानून के औचित्य पर सवाल निरंतर उठते रहे हैं। जब 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम पूरे राष्ट्र में एकजुटता के साथ उभरा था। इसमें आमजन की बड़ी संख्या में भगीदारी थी। इस आमजन को दंडित करने के लिए ही इस दमनकारी कानून को वजूद में लाया गया था।

यह सब जानते हुए भी तत्कालीन संप्रग की मनमोहन सिंह की सरकार ने धारा 124-ए को 'आतंकवाद, उग्रवाद और सांप्रदायिक हिंसा जैसी देशद्रोही समस्याओं से निपटने के लिए आवश्यक और संविधान सम्मत' बताया था। सरकार ने संसद में यह भी स्पष्ट किया था कि समुचित दायरे में रहकर सरकार की आलोचना करने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन जब आपत्तिजनक तरीकों का सहारा लिया जाए, तब यह धारा प्रभावी हो सकती है।' तब बहस में भाजपा समेत कई दलों को सांसदों ने मौजूदा सरकार के इस रुख का समर्थन किया था। इस धारा के आतंकवाद और उग्रवाद के परिप्रेक्ष्य में चले आ रहे महत्व के चलते ही, इसे पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू भी नहीं हटा पाए थे, जबकि वे इसे हटाए जाने के पक्ष में थे। बहरहाल राजद्रोह कानून मनमोहन सिंह सरकार के समय प्रासंगिक था, तब अब इसे कैसे अप्रासंगिक मान लिया जाए। जहां तक फिरंगी हुकूमत द्वारा इस दमनकारी कानून को अस्तित्व में लाया गया, इसलिए इसकी समाप्ति आवश्यक है तो फिर वर्तमान भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता भी अंग्रेजी शासन की देन है। अतएव स्वतंत्र भारत में इसका भी अस्तित्व किसलिए?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सरकार ने संसद में यह भी स्पष्ट किया था कि समुचित दायरे में रहकर सरकार की आलोचना करने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन जब आपत्तिजनक तरीकों का सहारा लिया जाए, तब यह धारा प्रभावी हो सकती है।' तब बहस में भाजपा समेत कई दलों के सांसदों ने मौजूदा सरकार के इस रुख का समर्थन किया था। इस धारा के आतंकवाद और उग्रवाद के परिप्रेक्ष्य में चले आ रहे महत्व के चलते ही, इसे पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू भी नहीं हटा पाए थे, जबकि वे इसे हटाए जाने के पक्ष में थे।

अदालत के इन फैसलों के अनुक्रम में किसी अन्य देश की प्रशंसा, परमाणु संयंत्रों का विरोध, राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े नहीं होना, जैसे आचरण जरूर राजद्रोह नहीं कहे जा सकते हैं, लेकिन 'भारत तेरे टुकड़े होंगे हजार' जैसे नारे न केवल राजद्रोह हैं, बल्कि राष्ट्रद्रोही भी हैं।' इस परिप्रेक्ष्य में यह समझ लेना भी जरूरी है कि संविधान का अनुच्छेद 19-1 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी जरूर देता है, लेकिन इस पर युक्तियुक्त प्रतिबंध भी लगाया गया है। इस संदर्भ में एके गोपालन बनाम मद्रास राज्य से जुड़े फैसले में साफतौर से कहा गया है कि 'बेहतर होगा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सामाजिक हित व अन्य बृहत्तर सामाजिक हितों के अधीन हों।'

व्यंग्य

हम बोलेगा तो बोलोगे कि बोलता है...

राजेंद्र बज
व्यंग्यकार

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के चलते जब कोई हल्ला करता है, तो हल्ला करने वालों के गल्ले की बल्ले-बल्ले हो जाया करती है। बहुत ही सीधी-सी बात है, सौजन्य से सभी प्रसन्न रहते हैं। कभी-कभी घोर विरोधी भी प्रसन्न हो जाता है और दल या व्यक्ति विशेष के पक्ष में माहौल बनाता नजर आता है। ऐसे में जिसे उठाया जा रहा है वह लाभ के पद पर विराजित हो जाता है, ऐसे में शुभ लाभ, लाभ ही लाभ सिद्ध हो जाता है।

दरअसल राजनीति का गणित बहुत ही टेढ़ा होता है, सीधी बात भी सीधे तौर पर समझ नहीं आती है। कुछ सिद्धांतवादी राजनीतिक विकृतियों की चर्चा खूब करते हैं, किंतु उलझन में पड़ने पर उलझी हुई गुत्थी को "जेक और जरिया" के माध्यम से सुलझाने की कोशिश किया करते हैं। जिसने सत्ता पाने पर सत्ता की मलाई नहीं खाई, उसे निहायत ही बुद्धूजीवी मान लिया जाता है। हालांकि राजनीति में कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो न तो खाते हैं और ना ही खिलाते हैं। लेकिन ऐसी शख्सियत केवल पूर्वभव के पुण्योदय से ही लाभ के पद पर बैठी होती है। अन्यथा इस जन्म की इसी जन्म में मलाई खाने को मिल ही जाती है। यानी कि अधिक इंतजार नहीं करना पड़ता। राजनीति के अखाड़े में हर कोई अपना करतब दिखाता है, करतब भी ऐसे जो कमाल किया करते हैं। राजनीति में कमाल का धमाल हाथों हाथ लिया जाता है। सीधे सच्चे इंसान की राजनीति में कोई कीमत नहीं होती। जो काम की कीमत लेता और समझता है, राजनीति में वही कीमती होता है। जो कीमती होता है उसे लाभ के पद को कीमत के रूप में अदा कर दिया जाता है।

राजनीति के शातिर खिलाड़ी अलग-अलग समय में अलग-अलग दांवपेच लगाते रहा करते हैं। ऐसे में जब कभी किसी भैया के ऊपर वाले भैया और उनके भी ऊपर वाले भैया के दिल्ली वाले भैया की जब चेत जाती है, यकीन मानिए हर एक की किस्मत चमक जाती है। जो राजनीति में किस्मत आजमाना चाहते हैं, उनके लिए नेक सलाह यह है कि राजनीति में सक्रिय होने से पहले दिल्ली वाले आका की कुंडली से अपनी कुंडली का मिलान कर लेना चाहिए। वास्तव में राजनीति में राजनीतिक शृंखला दिखाई देती है। इनके यह भैया और उनके वह भैया, यही नहीं भैया के भैया सबसे बड़े दिल्ली वाले भैया। राजनीति में अवसर को भुनाने की कला में पारंगत होना अत्यंत आवश्यक होता है। वर्तमान दौर में यदि कोई राजनीति में आए और ईमान साथ लाएं... तो फिर समझो कि उसकी तो कोई खैर नहीं है। ऐसा नहीं है कि राजनीति में सीधे सच्चे का कोई काम ही नहीं हो, ये कार्यकर्ता तो हो सकते हैं- लेकिन नेता... नहीं, कदापि नहीं।

हां, जिसे राजनीति में रहकर दरी बिछाने से लेकर हेलो माइक टेस्टिंग हेलो करने की आदत हो, उसके लिए राजनीति में अवश्य ही संभावनाओं के द्वार खुले होते हैं। खाली-पीली राजनीति करना हो या कोरी भाषणबाजी करना हो, तो राजनीति में समय खपाया जा सकता है। लेकिन ऐसा करने से पहले जरा सोचिए, बैठे ठाले घर संसार नहीं चला करता और पैसे का काम बस पैसा ही करता है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
एक ऐसे राष्ट्र की सेवा करने पर गर्व है जो अडिग संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। बहुपक्षीय मंचों से लेकर आत्मनिर्भर भारत और 'मेक इन इंडिया' तक, हर कदम हमारे लोगों की ताकत और भावना का प्रमाण है।

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री राजस्थान
@ashokgehlot51
बचत, राहत, बढ़त, पूरी हो रही जरूरत, इससे ज्यादा तसल्ली एक मुख्यमंत्री के लिए क्या हो सकती है कि बुजुर्ग, माताएं, बहनें, दिव्यांग व हर जरूरतमंद के चेहरे पर आज सुरक्षा का भाव दिखता है।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
यदि आप अपनी शारीरिक और मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं को संभालना सीख जाते हैं, तो आनंदित होना ही एकमात्र तरीका है जिससे आप हो सकते हैं।

विवेक बिंद्रा, उद्यमी
@DrVivekBindra
खुश रहना बहुत सरल है, लेकिन सरल होना बहुत मुश्किल है- रवीन्द्रनाथ टैगोर

उज्ज्वल पाटनी, मोटिवेशनल स्पीकर
@Ujjwal_Patni
छोटी और कीमती है जिंदगी, ऐसे जियें कि कोई मलाल ना हो इतनी शिद्दत से हो मेहनत कि हार पर भी सवाल ना हो।

डॉ. कुमार विश्वास, हिंदी कवि
@DrKumarVishwas
"सबकी अरदास पता है,
रब को सब खास पता है।
जो पानी में घुल जाए ,
बस उसको प्यास पता है...।"

नॉलेज कॉर्नर: अंतिम क्षणों में बदला गया इस इमारत का नाम

बुर्ज खलीफा इमारत में हैं 163 मंजिलें

अगर किसी व्यक्ति से पूछा कि शहर और गांव में क्या अंतर है तो शायद वह सबसे पहले कहेगा कि शहर में ऊंची-ऊंची इमारतें होती हैं और गांव में छोटे-छोटे घर होते हैं। सच भी है कि बड़े-बड़े शहरों में प्रवेश करते ही चमचमाते भवन नजर आते हैं, लेकिन अगर गौर किया जाए तो हमारा ध्यान इस पर भी जाता है कि दुनिया भर में एक से बढ़कर एक ऊंची इमारते हैं, तो वह कौन सी इमारत है जो विश्व की सबसे ऊंची इमारत है। दरअसल बुर्ज खलीफा के नाम से पहचानी जाने वाली दुबई स्थित यह बिल्डिंग विश्व की सबसे ऊंची इमारत है। यह अधिक पुरानी तो नहीं है, लेकिन दुनिया का हर व्यक्ति इसके बारे में वाकिफ है।इस बारे में अधिक जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

आई थी 8 अरब डॉलर की लागत

दुबई स्थित इस भवन में कुल 163 मंजिलें हैं। इसे बनाने में छह वर्ष लगे थे। अब बात करें इसके कुल खर्च की तो इसे बनाने में आठ अरब डॉलर की लागत आई थी। 820 मीटर ऊंचाई के साथ यह दुनिया की सबसे ऊंची इमारत है। इसमें सभी आधुनिक सुविधाएं है। वर्ष 2009 में बुर्ज खलीफा बनकर तैयार हो गया था। इसका लोकार्पण 4 जनवरी 2009 को किया गया था। हालांकि जब इसे बनाया जा रहा था तब इसका नाम बुर्ज दुबई था, लेकिन अंतिम क्षणों में इमारत का नाम बदलकर बुर्ज खलीफा कर दिया गया। इस इमारत में तैराकी, खरीदारी, कॉर्पोरेट ऑफिस, सिनेमा घर सहित सभी अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। यह इतनी ऊंची है कि 96 किलोमीटर दूर से भी इसे साफ देखा जा सकता है। इसकी 124वीं मंजिल पर बने दरवाजे का नाम 'ऐट द टॉप' है, जिसे 5 जनवरी 2010 को खोला गया था। 452 मीटर की ऊंचाई के साथ यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दरवाजा है।

इमारत की खास बातें

- इसमें दुनिया की सबसे तेज चलने वाली लिफ्ट है।
- इसका निर्माण 21 सितंबर, 2004 में शुरू हुआ था।
- यह दुनिया की सबसे ऊंची गगनचुंबी इमारत है।
- विश्व का सबसे ऊंचा रेस्तरां भी इसी इमारत में है।
- इसमें एक लाख टन कंक्रीट और 55 हजार टन स्टील रेबर लगा था।
- इसका बाह्य आवरण 26 हजार ग्लास पैनलों से बना है।
- इसे बनाने में लगभग 12 हजार मजदूरों ने हर दिन काम किया था।

ऐसे पड़ा इमारत का नाम

दरअसल इसके निर्माण में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायेद अल नाहयान ने वित्तीय सहायता दी थी। इसलिए उद्घाटन के अंतिम क्षणों में इसका नाम बुर्ज खलीफा कर दिया गया। ऊंचाई अधिक होने के कारण इसके सबसे ऊपरी फ्लोर का तापमान ग्राउंड फ्लोर की अपेक्षा 15 डिग्री सेल्सियस कम रहता है। कंटेंट: सुप्रिया सरकार

केंद्रीय गृह मंत्री का तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश का दौरा: दोनों राज्यों में जनसभाओं को किया संबोधित

कांग्रेस व द्रमुक पर साधा निशाना, '2जी, 3जी, 4जी' पार्टी दिया करार

एजेंसी | वेलूर (तमिलनाडु)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को तमिलनाडु के वेलूर व आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में जनसभाओं को संबोधित किया। जनसभाओं का आयोजन भाजपा नीत राजग सरकार की नौ साल की उपलब्धियों को रेखांकित करने के लिए आयोजित की गई थी। शाह ने चेन्नई में भाजपा पदाधिकारियों व अकादमिक क्षेत्र से जुड़े लोगों से मुलाकात भी की। बाद में बेलूर में आमसभा में उन्होंने वंशवाद की राजनीति और कथित भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम को 2जी, 3जी, 4जी पार्टियां करार देते हुए कहा कि तमिलनाडु में इन्हें उखाड़ फेंकने तथा धरती पुत्र को सत्ता देने का समय आ गया है।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा पिछले नौ वर्षों में तमिलनाडु के लिए केंद्र की विशेष योजनाओं के बारे में बताने की मांग पर शाह ने उड्डयन, रेलवे और सड़कों सहित राज्य के लिए नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की विभिन्न पहल के बारे में विस्तार से बताया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, कांग्रेस और द्रमुक 2जी, 3जी, 4जी पार्टियां हैं। मैं 2जी (स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाले) की बात नहीं कर रहा हूं। 2जी का मतलब दो पीढ़ी, 3जी का मतलब तीन पीढ़ी और 4जी का मतलब चार पीढ़ी है। शाह ने दोनों दलों पर निशाना साधते हुए कहा, मारन परिवार (द्रमुक का) दो पीढ़ियों से भ्रष्टाचार कर रहा है। करुणानिधि परिवार तीन पीढ़ियों से भ्रष्टाचार कर रहा है। गांधी परिवार 4जी है। राहुल गांधी चौथी पीढ़ी हैं और चार पीढ़ियों से वे सत्ता का आनंद ले रहे हैं।

अनुच्छेद 370 को रद्द करने का किया था विरोध

शाह ने उपस्थित लोगों से पूछा कि अनुच्छेद 370 को हटाया जाना चाहिए था या नहीं, और कश्मीर हमारा है या नहीं? उन्होंने कहा कि कांग्रेस और द्रमुक, दोनों ने जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद को रद्द करने का विरोध किया था। ये दोनों दल कांग्रेस और द्रमुक अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के खिलाफ थे। पांच अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री मोदी ने अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया और कश्मीर को भारत के साथ एकीकृत कर दिया।

भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप

शाह ने द्रमुक और कांग्रेस पर 2004 से 2014 तक 10 साल की अवधि के दौरान हजारों करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया और कहा कि नौ साल से सत्तारूढ़ राजग सरकार के खिलाफ ऐसे कोई आरोप नहीं हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान मदुरै की स्थापना को लेकर स्टालिन की टिप्पणी के लिए पलटवार करते हुए शाह ने कहा कि जब द्रमुक केंद्र में 18 साल सत्ता में थी, तब उसने तमिलनाडु में इसकी स्थापना के लिए कदम नहीं उठाए बल्कि केवल भ्रष्टाचार में डूबी रही।

वाईएसआर कांग्रेस को लिया आड़े हाथ

विशाखापट्टनम। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने केवल भ्रष्टाचार किया है और आंध्र प्रदेश में किसानों की कथित आत्महत्या को लेकर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने आरोप लगाया, यहां जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व में सरकार चल रही है।

1300 करोड़ की परियोजनाओं का किया उद्घाटन

सलेम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार को राज्य के सलेम जिले में 1367 करोड़ की पूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया और अनुमानित 236 करोड़ रुपए की नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए स्टालिन ने उसके वित्तीय प्रबंधन को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि राज्य ने जीएसटी के कारण अपना अधिकार खो दिया था। स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार को लोगों पर बोझ डाले बिना राज्य के वित्तीय प्रबंधन को बेहतर करना है।

76 साल के हुए लालू, समर्थकों ने मनाया जश्न

पटना। बिहार में भीषण गर्मी से बेपरवाह राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रविवार को पार्टी संस्थापक अध्यक्ष लालू प्रसाद का 76वां जन्मदिन मनाया। पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष के जन्मदिन के अवसर पर यहां अनुयायियों और परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में 76 पाउंड वजन का एक विशाल केक काटा गया। लालू प्रसाद यहां दस सर्कुलर रोड स्थित अपनी पत्नी राबड़ी देवी को आवंटित सरकारी बंगले में रह रहे हैं। वहां आधी रात को ही उस समय जश्न शुरू हो गया था जब उनके छोटे बेटे तेजस्वी यादव सहित परिवार के सदस्यों से घिरे हुए उन्होंने छोटा सा केक काटा। तेजस्वी यादव राज्य के उपमुख्यमंत्री हैं। राजद सुप्रीमो की पुत्री रोहिणी आचार्य इस अवसर पर मौजूद थीं।

अध्यादेश विवाद: आप की महारैली में केजरीवाल का केंद्र पर प्रहार

दिल्ली के बाद अब अन्य राज्यों में लाएंगे इस तरह के अध्यादेश

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं पर नियंत्रण से जुड़े अध्यादेश को लेकर रविवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सबसे पहले दिल्ली पर वार किया गया और अब अन्य राज्यों के लिए भी इसी तरह के अध्यादेश लाए जाएंगे।

रामलीला मैदान में आम आदमी पार्टी (आप) की महारैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि केंद्र का अध्यादेश दिल्ली के लोगों का अपमान है। उन्होंने कहा, भाजपा मुझे गाली दे सकती है और मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन मैं दिल्ली के लोगों का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। भीषण गर्मी के बीच हजारों लोग महारैली में भाग लेने के लिए रामलीला मैदान में एकत्र हुए, जिसमें पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ-साथ आप के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने भी इस रैली में शिरकत की। रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र संविधान में विश्वास नहीं करता। सीएमअरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि वह उच्चतम न्यायालय के फैसले को स्वीकार नहीं करते , तो यह हिटलर शाही है। पीएम मोदी का यह काला अध्यादेश कहता है कि मैं लोकतंत्र को स्वीकार नहीं करता। अब दिल्ली में अत्याचारी शासन होगा। अब दिल्ली के लोग नहीं, बल्कि उपराज्यपाल सर्वोच्च हैं।

सीएम बोले-मेरे पास 100 सिसोदिया, 100 जैन

केजरीवाल ने कहा, मैं देश भर में यात्रा कर रहा हूं और अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं से मिल रहा हूं। यह न सोचें कि आप अकेले हैं। आपके पास भारत के 140 करोड़ लोगों का समर्थन है। आप नेताओं मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी पर केजरीवाल ने कहा कि दोनों नेताओं को राष्ट्रीय राजधानी में काम रुकवाने के लिए गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, लेकिन हमारे पास 100 सिसोदिया, 100 जैन हैं। हम अच्छे काम जारी रखेंगे।

पीएम मोदी के 21, मेरे आठ साल का काम देख लो

केजरीवाल ने कहा, मोदीजी गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और फिर प्रधानमंत्री के रूप में कुल 21 वर्षों से सत्ता में हैं। केजरीवाल आठ साल से सत्ता में है। किसने लोगों के लिए ज्यादा काम किया है? केजरीवाल ने आरोप लगाया, मैं स्कूलों और अस्पतालों का निर्माण कराता हूं, मोदीजी कहते हैं कि वह ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने दिल्ली में मुफ्त योग कक्षाएं, मुफ्त चिकित्सा परीक्षण बंद कर दिए। केजरीवाल ने साथ ही कहा कि देश बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रहा है।

भगवंत मान ने भी साधा निशाना

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भाजपा पर हमला करते हुए उसे 'भारतीय जुगाड़ पार्टी' बताया, जो केवल सरकारों को गिराना जानती है। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने अपने संबोधन में 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से लड़ने के लिए विपक्षी एकता पर जोर दिया। उन्होंने दावा किया, वे डबल इंजन वाली सरकारों की बात करते हैं लेकिन वास्तव में यह डबल बैरल सरकार है जिसमें एक बैरल सीबीआई और दूसरी ईडी है।

क्या है विवाद

केंद्र ने 19 मई को दिल्ली में ग्रुप-ए के अधिकारियों के तबादले और पदस्थापना पर एक प्राधिकरण बनाने के लिए अध्यादेश जारी किया था, जिसे आप नीत सरकार ने सेवाओं के नियंत्रण पर न्यायालय के फैसले के साथ धोखा बताया था। शीर्ष अदालत के 11 मई के फैसले से पहले दिल्ली सरकार में सभी अधिकारियों के स्थानांतरण और पदस्थापना मामले उपराज्यपाल के कार्यकारी नियंत्रण में थे।

पश्चिम बंगाल: पंचायत चुनाव

लोकसभा चुनाव से पहले टीएमसी के लिए एक अहम 'परीक्षा'

एजेंसी | कोलकाता

भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव में उतरेगी जिसे वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए एक अहम परीक्षा माना जा रहा है। टीएमसी नेतृत्व का मानना है कि लोकसभा और ग्रामसभा चुनावों का असर अलग-अलग हो सकता है।

हालांकि, राज्य की अधिक से अधिक संसदीय सीट हासिल करने के लिए बंगाल के ग्रामीण इलाकों में जीत दर्ज करना 'महत्वपूर्ण' है। टीएमसी के वरिष्ठ नेता और सांसद सौगत रॉय ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, पंचायत चुनावों की व्यापकता को देखते हुए, यह न केवल हमारे खिलाफ बेबुनियाद बातों की पृष्ठभूमि में जन समर्थन की परीक्षा होगी बल्कि बंगाल में 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए एक कसौटी भी होगी। रॉय ने कहा, हमारी पार्टी एक अहम दौर से गुजर रही है।

चुनाव एक नजर में

- 08 जुलाई को होने हैं चुनाव
- 5.67 करोड़ हैं मतदाता
- 74,000 सीट के लिए चुने जाएंगे प्रतिनिधि

शांतिपूर्ण चुनाव अहम चुनौती

टीएमसी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना है ताकि 2018 के पंचायत चुनावों के दौरान हुई हिंसा जैसी स्थिति दोबारा नहीं हो। पांच साल पहले हुए ग्रामीण चुनावों में, टीएमसी ने 90 फीसदी पंचायत सीट और जिला परिषदों की सभी 22 सीट पर जीत दर्ज की थी।

नामांकन के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया: घोष

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि टीएमसी की किसी भी तरह से सभी को अपने पाले में करो के रवैये ने बंगाल में स्थानीय निकाय चुनावों को तमाशे में बदल दिया है। घोष ने आरोप लगाया कि राज्य निर्वाचन आयोग ने नामांकन दाखिल करने के लिए सिर्फ सात दिन का समय दिया है, जो टीएमसी की मदद करने के लिए है।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त की आत्मकथा में आया विवरण

CEC के पद को लेकर उलझन में थे शेषन

एजेंसी | नई दिल्ली

जब चंद्रशेखर सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) पद के लिए टी एन शेषन के नाम का प्रस्ताव रखा तो वह दुविधा में थे। इसलिए, उन्होंने राजीव गांधी और तत्कालीन राष्ट्रपति वेंकटरमन से संपर्क किया तथा दोनों ने सलाह दी कि अगर कोई अन्य पद उपलब्ध न हो तो इसे स्वीकार कर लें। वह फिर भी उलझन में थे।

इसके बाद उन्होंने एक आखिरी व्यक्ति- कांची के शंकराचार्य से परामर्श करने का फैसला किया। उन्होंने आगे बढ़ने की सलाह दी और कहा, यह एक सम्मानजनक काम है। अपना जवाब पाकर शेषन ने कानून मंत्री को फोन किया और कहा कि वह कार्यभार संभालने के लिए तैयार हैं। यह घटनाक्रम शेषन की आत्मकथा 'थ्रू द ब्रोकन ग्लास' में दर्ज है, जिसे उनके मरणोपरांत रूपा प्रकाशन ने प्रकाशित किया। शेषन का 2019 में निधन हो गया था। किताब में कहा गया है, मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि कोई मुझे सीईसी बनाने के बारे में सोचेगा। इसलिए, मेरी तत्काल प्रतिक्रिया नहीं कहने की थी क्योंकि मेरा कभी चुनावों से कोई लेना-देना नहीं रहा था। कानून मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा, मुझे आपसे जवाब चाहिए, ताकि मैं आपको सीईसी बनाने के लिए कागजात संबंधी प्रक्रिया कर सकूं। पुस्तक के अनुसार शेषन ने इस संबंध में बात करने के लिए रात ढाई बजे राजीव गांधी के पास गए। बाद में राष्ट्रपति आर वेंकटरमन से मिलने का समय मांगा और राष्ट्रपति भवन जाकर उन्हें खबर दी। उन्होंने फिर अपने भाई और ससुर से भी बात की, लेकिन उनकी सलाह ने उन्हें और भी भ्रमित कर दिया।

अंत में, शेषन ने कांची के शंकराचार्य से संपर्क करने का फैसला किया और इसलिए उन्होंने कांची मठ को फोन किया तथा वहां अपने एक मित्र के जरिए सवाल आगे तक पहुंचाया। शेषन ने लिखा, वह (मित्र), शंकराचार्य से पूछने के लिए तैयार हो गया।

कर्नाटक: महिलाएं करेंगी बसों में मुफ्त सफर

बेंगलुरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस की पांच गारंटी में शामिल 'शक्ति' योजना को लागू किये जाने के बाद अब महिलाएं रविवार से सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा कर सकती हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्य मंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलुरु में विधानसौध की सीढ़ियों से इस योजना की शुरुआत की।

एमपी: चुनावी शंखनाद के लिए सजा मंच

न कोई मेरा विरोधी है और ना है सत्ता विरोधी लहर: शिवराज सिंह

एजेंसी | जबलपुर

मध्य प्रदेश में सत्ता की लड़ाई महिला वोटर्स के इर्द-गिर्द घूम रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक दिन पहले शनिवार को लाडली बहना योजना की शुरुआत कर महिला सशक्तीकरण को भाजपा के एजेंडे के रूप में जोड़ दिया। इसे अगले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चौहान का सियासी दृष्टि से मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार को जबलपुर में एक रैली आयोजित कर चौहान के इस मास्टरस्ट्रोक का जवाब देंगी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि प्रदेश में न तो कोई उनका विरोधी है और ना ही उनकी सरकार के खिलाफ कोई सत्ता विरोधी लहर है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति श्रद्धा और प्रेम है तथा राज्य सरकार की ओर से लागू की गईं योजनाएं लोगों की जिंदगी बदल रही हैं। चौहान ने इस घोषणा को रेवड़ी संस्कृति का हिस्सा मानने से इनकार करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने लाडली लक्ष्मी से लेकर कन्या विवाह और अब लाडली बहना के जरिए जिन भी योजनाओं की शुरुआत की, उसने एक सामाजिक क्रांति लाने का काम किया।

लाडली लक्ष्मी योजना बनी वरदान

शिवराज ने कहा, लाडली बहना कोई पहली योजना नहीं है। महिला सशक्तीकरण की दिशा में यह बहुत महत्वपूर्ण कड़ी है। मध्य प्रदेश में पहले पुरुषों और महिलाओं के अनुपात में काफी अंतर था। एक हजार बेटों पर 912 बेटियां जन्म लेती थीं। लोग बेटियों को बोझ मानते थे। इसलिए हमने लाडली लक्ष्मी योजना शुरू की।

लिंगानुपात में हुआ सुधार

लाडली लक्ष्मी के बाद कन्यादान योजना शुरू की। निकाय चुनावों में महिलाओं को 50%, फिर पुलिस भर्ती में उनके लिए 30% आरक्षण दिया गया। शिक्षक भर्ती में 50% आरक्षण किया गया। इन योजनाओं का असर ये हुआ कि आज बेटे और बेटियों के जन्म अनुपात का अंतर बहुत कम है।

कांग्रेस का अभियान: प्रियंका आज जबलपुर में भरेंगी हुंकार

जबलपुर। प्रियंका गांधी वाड्रा इस साल के अंत में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के प्रचार अभियान की शुरुआत सोमवार को जबलपुर से नर्मदा तट पर पूजा-अर्चना करने के बाद करेंगी।

जबलपुर राज्य के महाकौशल क्षेत्र का केंद्र है और यहां आदिवासी मतदाताओं संख्या बहुत ज्यादा है। 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने आठ जिलों के इस संभाग में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 13 सीटों में से 11 पर जीत हासिल की जबकि शेष दो सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। महाकैशल क्षेत्र में जबलपुर, कटनी, सिवनी, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी और छिंदवाड़ा जिले शामिल हैं।

जबलपुर के महापौर और कांग्रेस के शहर प्रमुख जगत बहादुर सिंह ने रविवार को पीटीआई-भाषा से कहा, प्रियंका गांधी सोमवार सुबह करीब 11.15 बजे शहीद स्मारक में एक जनसभा को संबोधित कर पार्टी के चुनाव अभियान और संकल्प 2023 की शुरुआत करेंगी। वह सुबह करीब 10:30 बजे जबलपुर पहुंचेगीं और नर्मदा नदी की पूजा करने के लिए ग्वारीघाट जाएंगी। उन्होंने दावा किया कि रैली में कम से कम दो लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है।

यह है महाकौशल का गणित

- महाकौशल या जबलपुर संभाग में आठ जिले हैं शामिल
- 38 विधानसभा सीटें हैं इस क्षेत्र में
- 24 सीटों पर जीती थी कांग्रेस
- 13 सीटों पर मिली थी भाजपा को जीत
- 01 सीट पर निर्दलीय विजयी रहा
- आदिवासी बहुल क्षेत्र
- 13 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए हैं आरक्षित
- 11 सीटों पर पिछली बार जीती थी कांग्रेस

जरूरी खबर

गर्भवती महिलाएं करें 'सुंदरकांड' का पाठ : सौंदरराजन

नई दिल्ली। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने रविवार को कहा कि गर्भवती महिलाएं मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ बच्चे को जन्म देने के लिए सुंदरकांड का पाठ करें और उन्हें रामायण जैसे महाकाव्यों को भी पढ़ना चाहिए। सौंदरराजन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन संवर्धिनी न्यास द्वाराके 'गर्भ संस्कार' कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए यह टिप्पणी की। वह स्त्री रोग विशेषज्ञ भी हैं। सौंदरराजन ने कहा कि गर्भावस्था के प्रति वैज्ञानिक और समग्र दृष्टिकोण के कार्यान्वयन से निश्चित रूप से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

सैनिक की हत्या के मामले में क्लोजर रिपोर्ट खारिज

बनिहाल। जम्मू कश्मीर में बनिहाल की एक अदालत ने एक सैनिक की हत्या के 17 साल पुराने मामले में क्लोजर रिपोर्ट खारिज कर दी और यह कहते हुए जांच पर असंतोष जताया कि इस बात का गंभीर संदेह पैदा होता है कि किसी को बचाने की कोशिश की जा रही थी। बनिहाल के न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) मनमोहन कुमार ने रामबन के पुलिस अधीक्षक को इस मामले की जांच की निगरानी करने और तीन महीने में उसे पूरा करने का निर्देश भी दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा, पुलिस जांच में विसंगतियां हैं, क्योंकि एक जगह तो जांच अधिकारी ने कहा कि कुछ अज्ञात अधिकारियों ने सिपाही को मार डाला और साथ ही उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला कि यह मौत आतंकवादियों की हरकत हो सकती है।

मणिपुर हिंसा: 50 हजार लोग राहत शिविरों में

इंफाल। मणिपुर में जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए 50,000 से अधिक लोग वर्तमान में राज्य भर के 349 राहत शिविरों में रह रहे हैं। राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री डॉ. आर. के. रंजन ने रविवार को कहा कि सभी जिलों में विशेष रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। 53 हथियार और 39 बम बरामद किए गए हैं।

इंटरनेट पर रोक की मियाद बढ़ाई: मणिपुर सरकार ने राज्य में इंटरनेट सेवाओं पर लगी रोक की मियाद 15 जून तक बढ़ा दी है। राज्य में जातीय हिंसा के बाद तीन मई को इंटरनेट सेवा पर रोक लगा दी गई थी।

तूफान से उठी लहरें पोरबंदर तट से टकराई

पोरबंदर। प्रचंड चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' के कारण समुद्र में उठ रही लहरें पोरबंदर तट से टकरा रही हैं। तूफान के प्रभाव से निपटने के लिए गुजरात सरकार तटीय क्षेत्रों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कई टीमों को तैनात कर रही है। (इनसेट) तूफान के कारण पोरबंदर तट पर खड़ी की गई मछुआरों की नावें।

नौ माह हिरासत में रहने के बाद 16 भारतीय लौटे

नई दिल्ली। एक मालवाहक जहाज के चालक दल के 16 भारतीय सदस्य अफ्रीकी देश इक्वेटोरियल गिनी और नाइजीरिया में नौ महीने से अधिक समय तक हिरासत में रहने के बाद भारत लौट आए हैं।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक भारत सरकार की ओर से संबंधित प्रशासन के साथ की गयी लंबी बातचीत के बाद यह संभव हो सका है। तेल टैंकर एमटी हीरोइक इदुन और उसके चालक दल के 26 सदस्यों कोपिछले साल अगस्त से हिरासत में लिया गया था। इनमें 16 भारतीय शामिल हैं। उन्हें शुरू में इक्वेटोरियल गिनी और बाद में नाइजीरिया में हिरासत में लिया गया था।

जहाज और उसके चालक दल के सदस्यों पर तेल चोरी सहित विभिन्न आरोप लगाए गए थे। एक सूत्र ने कहा, लंबी बातचीत के बाद, चालक दल के खिलाफ सभी आरोप हटा दिए गए और जुर्माना भरने के बाद जहाज को 27 मई को रिहा कर दिया गया। भारतीय चालक दल के सदस्य अब भारत लौट आए हैं।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्मेलन: मिशन कर्मयोगी शुरू

सरकारी व्यवस्था में विश्वास बढ़ाना कर्मचारियों का जिम्मा: पीएम मोदी

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि सरकारी व्यवस्था में लोगों का विश्वास बढ़ाना सभी सरकारी कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने क्षमता निर्माण, भेदभाव को समाप्त करने और सेवा आपूर्ति बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने यहां प्रगति मैदान में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर में पहली बार राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। इस अवसर पर राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता निर्माण कार्यक्रम 'मिशन कर्मयोगी' की शुरुआत की गई।

मिशन कर्मयोगी का लक्ष्य सही दृष्टिकोण, कौशल और ज्ञान के साथ, भविष्य की जरूरतों के अनुरूप सिविल सेवा को तैयार करना है। यह सम्मेलन इसी दिशा में एक और कदम है।

याद दिलाई सेना की विश्वसनीयता

पीएम मोदी ने रेखांकित किया कि सरकार में प्रतिभाशाली और प्रतिबद्ध अधिकारियों की कभी कमी नहीं रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह सेना ने लोगों की नजरों में अपने लिए बेदाग विश्वसनीयता बनाई है, उसी तरह सरकारी कर्मियों की यह जिम्मेदारी है कि वे सरकारी व्यवस्था में लोगों के विश्वास को और बढ़ाएं।

प्रशिक्षण संस्थानों में तैनाती सजा नहीं

प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार मोदी ने कहा कि प्रशिक्षण संस्थानों में तैनाती को सजा के रूप में देखने का पुराना तरीका बदल रहा है। प्रशिक्षण संस्थान सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक हैं। ये दशकों से सरकार के लिए काम कर रहे कर्मचारियों की प्रतिभा को निखारते हैं।

जन भागीदारी की भावना पैदा हो

पीएम ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रशिक्षण से प्रत्येक सरकारी कर्मचारी में 'जन भागीदारी' की भावना का महत्व पैदा होना चाहिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन की सफलता, आकांक्षी जिला कार्यक्रम, अमृत सरोवर और दुनिया में डिजिटल भुगतान में भारत की पर्याप्त हिस्सेदारी का श्रेय लोगों की भागीदारी को दिया। मोदी ने नियमित अंतराल पर सम्मेलन आयोजित करने के लिए एक संस्थागत तंत्र बनाने का भी सुझाव दिया।

सीमा पार से जारी है षड्यंत्र

महिलाओं-किशोरों को आतंकी नेटवर्क से जोड़ने की साजिश बेनकाब

एजेंसी | श्रीनगर

कश्मीर घाटी में आतंकियों द्वारा संचार के पारंपरिक साधनों के इस्तेमाल में कमी आने के बीच पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी समूहों के प्रमुखों द्वारा हथियार और संदेश ले जाने के लिए महिलाओं तथा किशोरों को शामिल करने की एक खतरनाक साजिश उजागर हुई है। श्रीनगर स्थित 15वीं कोर या चिनार कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह औजला ने कहा कि सुरक्षा बलों को सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि नियंत्रण रेखा के पार बैठे लोग मौजूदा शांतिपूर्ण हालात को बिगाड़ने की साजिश रचने में व्यस्त हैं। आज खतरा, संदेश, मादक पदार्थ या कभी-कभी हथियार ले जाने में महिलाओं, लड़कियों और किशोरों को शामिल करना

है। अब तक, सेना ने कुछ मामलों का पता लगाया है। उन्होंने कहा,यह अपने आप में एक खतरनाक प्रवृति है जिसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस और तंजीम (आतंकवादी समूहों) के प्रमुखों ने अपनाया है।

पाकिस्तान का नाम लिए बिना लेफ्टिनेंट जनरल औजला ने कहा कि चुनौती यह है कि पड़ोसी देश ने अपने इरादे नहीं त्यागे हैं और बार-बार पीर पंजाल के दोनों ओर परेशानी पैदा कर रहा है।

पहलवान विनेश फोगाट ने लगाया आरोप

बृजभूषण को बचाने की हो रही है कोशिश

एजेंसी | नई दिल्ली

बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों का मानना है कि सरकार भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष को बचाने की कोशिश कर रही है। विश्व चैम्पियनशिप में दो बार पदक जीतने वाली विनेश ने रविवार को पंजाब में प्रदर्शन कर रहे किसानों को समर्थन देने के जाते समय हरियाणा के खटकड़ टोल प्लाजा पर मीडिया से बात की। विनेश ने एक सवाल के जवाब में कहा, बृजभूषण की गिरफ्तारी को छोड़कर और सब काम हो रहा है।

किसानों के साथ प्रदर्शन में हुई शामिल

चंडीगढ़। विनेश फोगाट ने पटियाला जिले में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) की अगुवाई में विभिन्न मांगों को लेकर जारी किसानों के विरोध प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया है। वह प्रदर्शन स्थल पर पहुंची और किसानों से मुलाकात की।

अभिनेता मंगल ढिल्लों का निधन

लुधियाना। टीवी सीरियल 'जुनून' और 'बुनियाद' में अपने शानदार अभिनय से मशहूर हुए अभिनेता मंगल ढिल्लों का कैंसर के कारण पंजाब में लुधियाना जिले के नीलो कलां गांव में शनिवार को निधन हो गया। ढिल्लों के परिवार के सदस्यों ने बताया कि ढिल्लों (64) को एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था, लेकिन कुछ दिन पहले ही परिवार के सदस्य उन्हें घर ले आए थे। ढिल्लों की बहन रंजीत कौर के मुताबिक, अभिनेता का शनिवार शाम को नीलो कलां गांव में निधन हो गया।

विदेशी प्रतिनिधियों ने देखी गंगा आरती

***वाराणसी।** काशी में जी-20 देशों के सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे विदेशी प्रतिनिधियों के दल ने रविवार की शाम विश्व प्रसिद्ध मां गंगा की आरती देखी और रोमांचित हो उठे। गंगा के तट पर दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती का मनोरम दृश्य।*

12.6 फीसदी बच्चे छोड़ देते हैं बीच में पढ़ाई

राजस्थान में आई कमी, आधा दर्जन से अधिक राज्यों में हालत खराब

एजेंसी | नई दिल्ली

देश के आधा दर्जन से अधिक राज्यों में माध्यमिक स्तर पर छात्रों के बीच में ही पढ़ाई छोड़ने यानी 'ड्रॉपआउट' की दर राष्ट्रीय औसत 12.6 प्रतिशत से अधिक है। इन राज्यों में बिहार, आंध्र प्रदेश, असम, गुजरात, कर्नाटक, मेघालय, पंजाब आदि शामिल हैं। राजस्थान में ड्रापआउट दर में सतत रूप से गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, अनुसूचित जनजाति से संबंधित ड्रापआउट दर नौ प्रतिशत और मुस्लिम बच्चों (18 प्रतिशत) में माध्यमिक स्कूली स्तर पर यह अभी भी अधिक है। केंद्र सरकार ने इन राज्यों को 'ड्रॉपआउट' दर को कम करने के लिए विशेष कदम उठाने का सुझाव दिया है। समग्र शिक्षा कार्यक्रम पर शिक्षा मंत्रालय के तहत परियोजना मंजूरी बोर्ड (पीएबी) की वर्ष 2023-24 की कार्य योजना संबंधी बैठकों के कार्यवृति दस्तावेजों (मिनट्स) से यह जानकारी मिली है। ये बैठकें अलग-अलग राज्यों के साथ मार्च से मई 2023 के दौरान हुईं।

सरकार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में लक्षित साल 2030 तक स्कूली शिक्षा के स्तर पर 100 प्रतिशत सकल नामांकन दर (जीईआर) हासिल करना चाहती है और बच्चों के बीच में पढ़ाई छोड़ने को इसमें बाधा मान रही है।

घरेलू कारणों से छूटती है लड़कियों की पढ़ाई

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष के पिछले वर्ष के एक सर्वेक्षण में लड़कियों के बीच में स्कूल छोड़ने के कारणों में कहा गया था कि 33 प्रतिशत लड़कियों की पढ़ाई घरेलू कार्य करने के कारण छूट गई। इसके अनुसार, कई जगहों पर यह भी पाया गया कि बच्चों ने स्कूल छोड़ने के बाद परिजनों के साथ मजदूरी या लोगों के घरों में सफाई करने का काम शुरू कर दिया।

वर्ष 2021-22 में 'ड्रापआउट' दर

राज्य	दर (प्रतिशत में)
मेघालय	21.7
बिहार	20.46
असम	20.3
गुजरात	17.85
पंजाब	17.2
आंध्र प्रदेश	16.7
कर्नाटक	14.6
उत्तर प्रदेश	12.5
मध्य प्रदेश	10.1
त्रिपुरा	8.34

दिल्ली में नामांकन दर में हुई वृद्धि

दस्तावेज के मुताबिक, संबंधित अवधि में दिल्ली में स्कूलों में प्राथमिक स्तर पर नामांकन में तीन प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि माध्यमिक स्तर पर नामांकन में करीब पांच प्रतिशत की गिरावट आई। दिल्ली में स्कूली शिक्षा के दायरे से बाहर काफी संख्या में छात्र हैं, ऐसे में शिक्षा की मुख्यधारा में वापस लाए गए छात्रों की संख्या के बारे में प्रदेश को 'प्रबंध पोर्टल' पर जानकारी अपलोड करनी चाहिए।

पश्चिम बंगाल में हुआ सुधार

बैठक में मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में माध्यमिक स्कूली स्तर पर वर्ष 2020-21 की तुलना में 2021-22 में ड्रापआउट दर में काफी सुधार दर्ज किया गया, हालांकि राज्य को छात्रों के बीच में पढ़ाई छोड़ने की दर को और कम करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने चाहिए। महाराष्ट्र में माध्यमिक स्तर पर ड्रापआउट दर वर्ष 2020-21 के 11.2 प्रतिशत से बेहतर होकर वर्ष 2021-22 में 10.7 प्रतिशत दर्ज की गई। हालांकि यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि राज्य के पांच जिलों में ड्रापआउट दर 15 प्रतिशत या उससे अधिक है।

उप्र: इन जिलों में हालत खराब

दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश के कई जिलों में वार्षिक औसत ड्रापआउट दर 15 प्रतिशत से अधिक रही जिसमें बस्ती में 23.3 प्रतिशत, बदायूं (19.1) , इटावा (16.9), गाजीपुर (16.6) , एटा (16.2), महोबा (15.6), हरदोई (15.6) और आजमगढ़ में यह 15 प्रतिशत दर्ज की गई।

राजस्थान फैशन फेस्ट-2023: फ्यूजन ग्रुप के तत्वावधान मना दो दिवसीय उत्सव

रैम्प पर फैशन, ज्वैलरी और समर कलेक्शन का तिलिस्म

बेधड़क.जयपुर। मिस राजस्थान की मॉडल्स ने जयपुर के रैंप पर फैशन और स्टाइल का तिलिस्म बिखेरा। समर कलेक्शन में उन्होंने फ्यूजन शोकेस किया तो फैशन इंडस्ट्री के लोगों में रोमांच भर गया। नजारा था फ्यूजन ग्रुप के तत्वावधान में योगेश मिश्रा द्वारा स्थापित राजस्थान फैशन फेस्ट-2023 के दूसरे दिन फैशन की बानगी का। उत्सव में फैशन डिजाइनर, मिस राजस्थान टॉप मॉडल्स शामिल हुए। सुबह और दिन में हुए टॉक शोज के साथ एक्सपीरियंसड और नये डिजाइनर्स ने अपने अपने रचनात्मक और नये डिजाइन शोकेस किए। फेस्ट के आखिरी दिन का मुख्य आकर्षण जेकेजे फैशंस की डिजाइनर कनिष्का मोसूण की ज्वैलरी और फेंसी कलेक्शन में जरदोजी, पंचवटी, कशीदा और मिरर वर्क की ड्रेसज रही। जेकेजे के ज्वैलरी डिजाइनर राजकुमार मोसूण ने जड़ाऊ, कुंदन मीना और डायमंड कलेक्शन परिधानों के साथ मैच किए। दूसरी ओर आर्च डिजाइन कॉलेज, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, आईएनआईएफडी और पोद्दार इंटरनेशनल कॉलेज ने समर कलेक्शन दर्शाया।

फोटो: पंकज शर्मा

टॉक शो में हुई फिल्मों की बात

फेस्ट में टॉक शो की सीरीज में राज बंसल और रोहित कामरा के साथ फैशन का महत्व और समाज पर इसका क्या प्रभाव होता है पर चर्चा हुई। चर्चा में हमारे जीवन को आकार देने में फैशन द्वारा निभायी गई भूमिका को बताया गया। इसके बाद मिताली कौर और आंचल बोहरा के बीच टॉक में भारत में फैशन के रुझानों और विकसित हो रहे फैशन उद्योग पर चर्चा हुई। डिजाइनर आशना वास्वानी ने फैशन उद्योग में अपने अनुभव और दृष्टिकोण साझा किए। उनका टॉक शो इस क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने की इच्छा रखने वाले फैशन प्रेमियों के लिए प्रेरणा रहा। फेस्ट में दीपरा की दीप्ति सैनी प्रज्ञा टीबरेवाल, प्रदीप-चांदनी, दीशा और मोक्षाली और जेकेकेके ने अपने फैशन संग्रह प्रस्तुत किए। समापन पर फेस्ट के फाउंडर योगेश मिश्रा ने धन्यवाद दिया।

महिला कलाकारों का सम्मान

बेधड़क, जयपुर। आर्टिस्ट फेलिसिटेशन सेरेमनी में सर्वश्रेष्ठ पैंटिंग बनाने वाली महिला कलाकारों का सम्मान किया गया। ज्यूरी मेंबर ने सर्वश्रेष्ठ पैंटिंग का चयन कर प्रथम विजेता महिला कलाकार को 10,000 द्वितीय को 7,000 और तृतीय विजेता को 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया। आर्ट ट्यून, विनीता आर्ट के संयुक्त तत्वावधान में आर्टिस्ट के लिए आयोजित इस समारोह में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ मुख्य अतिथि रहे। जयपुर कला महोत्सव के संस्थापक बीके दत्ता, राजस्थान यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर सुमित सेन, उज्जवला तिवारी बतौर ज्यूरी मेंबर शामिल हुए।

JECRC में भविष्य पर चर्चा

बेधड़क. जयपुर। जयपुर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जेईसीआरसी विश्वविद्यालय द्वारा मानविकी और सामाजिक विज्ञान के भविष्य पर रविवार को गोलमेज चर्चा हुई। कार्यक्रम में शिक्षाविदों द्वारा चुनौतियों, लक्ष्यों और अवसरों की खोज पर मंथन किया गया। कार्यक्रम में प्रोफेसर जोया चक्रवर्ती ने मानविकी के छात्रों के लिए शिक्षण और नई शिक्षा नीतियों के बारे में बात की। इस दौरान प्रो. नारायण सिन्हा, प्रो. एएसवी मंडावत, प्रो. जोया चक्रवर्ती, प्रो. सुशीला पारीक, डॉ. प्रेरणा पुरी कुमार, डॉ. प्रियंका त्रिपाठी, डॉ. संजय पराशर, डॉ. जय सिंह राठौड़, सुधीर सिंह सहित कई प्रोफेसर मौजूद रहे।

बैंच प्रेस प्रतियोगिता का उद्घाटन

बेधड़क. जयपुर। राष्ट्रीय स्तरीय पुरा महासंघ द्वारा राष्ट्रीय तरंग पुष्करणा समाज बैंच प्रेस प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ। महासंघ के जिला ईकाई बीकानेर संयोजक गोपी किशन छनाणी व खेल संयोजक आशीष ओझा ने बताया कि वक्ताओं ने समाज के प्रति नई दिशा और दशा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि महेश व्यास ने कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होता है। आज के इस दौर में हर व्यक्ति मोबाइल में ज्यादा व्यस्त रहने लगा है, जिससे परिवार और समाज को नुकसान है। इस दौरान राकेश बिस्सा, महेश व्यास (जनता), जेठानन्द व्यास हिन्दू जागरण मंच, सत्य नारायण व्यास, हनुमान प्रसाद, लालजी लवाणी, चंद्रेश पुरोहित, जुगल किशोर, गोपाल भाटी सहित कई लोग मौजूद रहे।

City इवेंट्स

प्रदीप बाहेती अध्यक्ष निर्वाचित

बेधड़क. जयपुर। एकल अभियान वनबंधु परिषद जयपुर चैप्टर का सोलहवां स्थापना दिवस होटल अमर पैलेस में मनाया गया। इस मौके पर एवं नवीन कार्यकारणी का गठन भी किया गया, अध्यक्ष प्रदीप बाहेती, सचिव पुष्पेन्द्र कुमार चौधरी एवं कोषाध्यक्ष संदीप झंवर को बनाया गया। संस्था के संरक्षक विमलचन्द सुराणा ने सभी का स्वागत किया। निवृत्तमान अध्यक्ष ज्योति कुमार माहेश्वरी एवं सचिव प्रदीप कोठारी ने अपने कार्यकाल की रिपोर्ट पेश की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने जयपुर चैप्टर के 16 वर्षों के विशेष कार्यक्रमों को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्था की राष्ट्रीय सचिव गीता मूंदड़ा ने बताया कि जयपुर चैप्टर की महिला समिति हमेशा नये-नये कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है। इस कार्यक्रम में संस्था के 130 सदस्य एवं दानदाता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन निवृतमान अध्यक्ष सविता कोठारी ने किया।

विकास कार्यों का शुभारंभ

बेधड़क. जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 126 और 150 में विकास कार्यों का शुभारंभ एवं लोकार्पण किया। वार्ड 126 पार्षद ओम स्वामी ने बताया कि सेक्टर 6 मालवीय नगर की सड़कें टूटी हुई थी, स्थानीय लोगों की मांग पर क्षेत्रीय विधायक सराफ के प्रयास से जेडीए द्वारा इनका नवीनीकरण करवाया गया है, जिसका लोकार्पण किया गया। नटवर कुमावत ने बताया कि वार्ड 150 कैलाशपुरी में विधायक कोष से प्रदत 15 लाख की राशि से नई सीवर लाइन डलवाई जा रही है, जिसका शुभारंभ किया गया। स्थानीय लोगों एवं विकास समिति के पदाधिकारियों ने सराफ का स्वागत कर आभार जताया। इस अवसर पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, पार्षद ओम स्वामी, महेश सैनी बच्चू, पूर्व पार्षद संजीव शर्मा, सेक्टर 6 विकास समिति अध्यक्ष मोहन लाल चावला, महामंत्री युधिष्ठिर शर्मा, उपाध्यक्ष गोविंद सिंह राजावत, कोषाध्यक्ष आर पी शर्मा, झामनदास टेकचंदानी, आदित्य, दिनेश खंडेलवाल, अशोक गुप्ता, एनएल गॉड, अमिता शर्मा, रेखा गोयल, किरण सिन्हा, जय नायक, धन्नालाल, भंवर लाल चौधरी, अविनाश खतिरिया, गिर्राज लश्करी, पप्पू भाई, फारुख भाई, जमील भाई एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

वैशाली नगर स्थित नर्सरी पार्क में योग शिविर

जयपुराइट्स ने योग अपनाकर स्वस्थ रहने का दिया मैसेज

बेधड़क | जयपुर

जयपुर योग महोत्सव 2023 के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उल्टी गिनती कार्यक्रमों की श्रृंखला में वैशाली नगर स्थित नर्सरी पार्क में ब्रह्माकुमारी अनामिका दीदी ने राजयोग ध्यान का अभ्यास कराया।

जयपुर का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ रहे इस भाव के तहत महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की पहल पर शिविर नगर निगम ग्रेटर, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, वैशाली नगर सेवा केंद्र एवं नर्सरी पार्क योग परिवार के संयुक्त तत्वाधान में प्रारंभ हुआ। इसमें 400 से अधिक योग प्रेमियों ने योगाभ्यास किया। महापौर ने कहा कि जो भी 1 से 21 जून के बीच में योग महोत्सव के अंतर्गत योग की अलख जगायेंगे उन्हें सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अथिति राजस्थान क्रीड़ा भारती भ्राता मेघ सिंह चौहान, नगर निगम ग्रेटर (होर्डिंग) के चेयरमैन प्रवीण यादव, पार्षद अक्षत खुंटेटा, नर्सरी पार्क योग परिवार से प्रमिला जोशी, पतंजलि योग संस्थान से प्रीति शर्मा व योगास्थली योग संस्थान से हेमलता सहित सैकड़ों नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। नर्सरी पार्क में परिंडे लगवाए। अंत में वैशाली नगर सी ब्लॉक विकास समिति के अध्यक्ष एमएल सोनी ने धन्यवाद दिया।

थिएटर वर्कशॉप के तहत नाटक का मंचन

लड़कियों को अपने हक के लिए उठानी होगी आवाज

बेधड़क | जयपुर

पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी और रंग मस्ताने संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 15 दिवसीय थिएटर वर्कशॉप के तहत स्माइल लर्निंग सेंटर की बालिकाओं द्वारा तैयार नाटक 'क्यों' का प्रताप नगर के श्योपुर में स्थित स्कूल जय शारदा में मंचन किया गया। नाटक का लेखन व निर्देशन शिखा सक्सैना ने किया। यह खुशी की कहानी है, जिसका तेरह साल की उम्र में बाल विवाह करवा दिया जाता है। शादी के बाद पति उसके साथ मारपीट करता था। खुशी को लगता है कि अगर उसके गर्भ में पल रहा गर्भ लड़की ही हुई तो उसे भी नारकीय जीवन भोगना पड़ेगा और वह आत्महत्या कर लेती है। नाटक में संदेश दिया गया कि लड़कियों को अपने हक के लिए आवाज उठानी होगी और अधिकारों के लिए लड़ना होगा। नाटक में खुशी का रोल आंशिक, निकिता और शिवानी और अन्त में गार्गी ने निभाया। पति की भूमिका में प्रिया रही, सास पलक बनी और ससुर बनी कोमल बनी। नाटक में 38 लड़कियों ने भाग लिया।

अन्त में जवाहरलाल नेहरू अकादमी सचिव राजेन्द्र मोहन शर्मा ने कलाकारों को सम्मानित किया। स्माइल संस्था की अध्यक्ष अनीता भाणावत ने बताया कि थिएटर वर्कशॉप में संस्था के 70 बच्चों ने पहली बार भाग लिया।

कोलाज ऑफ किलकारी | बाल नाट्य रंग प्रदर्शन का समापन, 100 बच्चों ने दी प्रस्तुतियां

क्रूर सिंह ने बच्चों को गुदगुदाया, दिए किलकारी सम्मान

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, राजस्थान ललित कला अकादमी, क्यूरियो चिल्ड्रेन्स थिएटर जयपुर की ओर से 21 दिनों से जयपुर में चल रही 16वीं कोलाज ऑफ किलकारी बाल नाट्य रंग प्रदर्शन का रवींद्र मंच पर समापन हुआ। क्रिएटिव डायरेक्टर गगन मिश्रा ने बताया कि रवींद्र मंच, सेंट्रल अकादमी महावीर नगर, संस्कार वैशाली, टैगोर अम्बाबाड़ी केंद्रों पर किलकारी के लगभग 100 बच्चों ने बाल नाट्य के विभिन्न रंग आउटडोर गतिविधियों में नट-नटी, ज्योतिष बाबा, नुक्कड़ नाटक, फोक सांग की प्रस्तुति दी। वहीं, मुख्य सभागार में वेलकम सांग, क्यूरियो सांग, माइम, पोएट्री परफोर्मेंस के साथ-साथ चार शॉर्ट चिल्ड्रेन्स प्ले हुए।

'उल्टापुर' में सब गोलमाल

प्ले उल्टापुर में सब गोलमाल था तो क्यों में मैसेज दिया गया कि कैसे एक बच्चे को जाने-अनजाने में आज सब जगह अव्वल आने की भाग-दौड़ में सब एक टाइम-टैबल में बांध देते हैं। थर्ड प्ले प्रियदर्शिनी मिश्रा और कपिल शर्मा के निर्देशन में हकुमा मटाटा हुआ। एक प्ले अभिषेक झांकल और प्रेरणा के निर्देशन में हुआ।

इनको दिया अवॉर्ड

उस्ताद बिस्मिल्लाह खान और दिल्ली के युवा थिएटर और फिल्म के एक्टर सुकुमार टुडु को इस वर्ष का किलकारी सम्मान दिया गया। किलकारी के इस रंग में भारतीय फिल्म और थिएटर के अदाकार अखिलेंद्र मिश्र, राजस्थान ललित कला अकादमी के अध्यक्ष लक्मन व्यास, रवींद्र मंच के मैनेजर प्रियव्रत सिंह चारण की उपस्थिति में महाउत्सव बन गया।

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, सोमवार, 12 जून, 2023

10

शांतिपूर्ण जीवन जीने के दो नियम हैं... पहला नियम है, "असफलता" के दर्द को दिल तक न पहुंचने दें और दूसरा नियम यह है कि, सफलता के "अहंकार" को मस्तिष्क तक न जाने दें।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड ग्रुप एडिटर, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

पाकिस्तान: भारी बारिश से 34 व्यक्तियों की मौत, 100 से अधिक घायल

पेशावर। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ मूसलाधार बारिश होने की वजह से कम 34 व्यक्तियों की मौत हो गई और करीब सवा सौ लोग घायल हो गए। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक क्षेत्र में शनिवार को हुई भारी बारिश की वजह से बन्नू, दीखान, लक्की मारवात और करक जिलों में लोगों की जान गई। दक्षिणी जिलों के कुछ हिस्सों में दीवार और पेड़ गिरने की घटनाओं से लोग हताहत हुए हैं। घायल हुए लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। लक्की, करक और बन्नू में कम से कम 69 मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अधिकारियों को आशंका है कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है।

क्यूबा से चीन कर रहा था अमेरिका की जासूसी!

व्हाइट हाउस में मची सनसनी

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिका की एक खुफिया रिपोर्ट सामने आई है, जिसके बाद देश में बवाल मच गया है। यूएस इंटेलिजेंस की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन 2019 से क्यूबा के गुप्त ठिकानों से अमेरिका की जासूसी कर रहा है। हालांकि, क्यूबा ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। बाइडेन प्रशासन के अधिकारी ने नए जासूसी प्रयास के बारे में कहा है कि चीन क्यूबा के जरिए अमेरिका की जासूसी कर रहा है।

वर्ष 2019 से उसने खुफिया तंत्रों को अपग्रेड किया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने गुरुवार को एक रिपोर्ट में बताया कि चीन ने क्यूबा के साथ फ्लोरिडा से करीब 160 किमी दूर द्वीप पर एक इलेक्ट्रॉनिक ईव्सड्रॉपिंग सुविधा स्थापित करने के लिए एक गुप्त समझौता किया था, लेकिन अमेरिका और क्यूबा की सरकारों ने रिपोर्ट पर कड़ा संदेह जताया। नाम न छापने की शर्त पर बाइडेन प्रशासन के अधिकारी ने कहा कि मीडिया की रिपोर्ट हमारी समझ के अनुरूप नहीं है।

बाइडेन के राष्ट्रपति बनने से पहले का मुद्दा!

अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह मुद्दा जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने से पहले का है, क्योंकि बीजिंग ने दुनिया भर में अपने खुफिया संग्रह के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए थे। उन्होंने कहा कि इसमें कोई नया डेवलेपमेंट नहीं है। खुफिया एजेंसी ने 2019 में क्यूबा में अपनी खुफिया सुविधाओं को अपग्रेड किया। यह खुफिया रिकॉर्ड में अच्छी तरह डॉक्यूमेंटेड है।

क्यूबा ने खारिज की रिपोर्ट

वाशिंगटन में चीनी दूतावास के एक अधिकारी ने चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा शुक्रवार को दिए गए बयान की ओर से इशारा किया, जिसने क्यूबा के जासूसी स्टेशन की बात करके अमेरिका पर अफवाह फैलाने और बदनामी करने का आरोप लगाया। साथ ही, सबसे शक्तिशाली हैकर साम्राज्य होने का आरोप भी लगाया। गुरुवार को क्यूबा के उपविदेश मंत्री कोसियो ने जर्नल की रिपोर्ट को पूरी तरह से भ्रामक बताकर खारिज कर दिया। क्यूबा से चीन द्वारा जासूसी के आरोप ऐसे समय में लगे हैं, जबकि दोनों देश तनाव को शांत करने के लिए अस्थाई कदम उठा रहे हैं और एंटनी ब्लिंकन 18 जून को चीन दौरे पर जाने वाले हैं।

चीनी सेना ने वैज्ञानिकों संग मिल बनाया कोरोना वायरस!

जांचकर्ताओं का खुलासा

एजेंसी | वुहान

कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर नया खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वुहान में चीनी सेना के साथ काम करने वाले वैज्ञानिक एक खतरनाक प्रयोग में लगे हुए थे।

ये लोग दुनिया के सबसे घातक कोरोना वायरसों को मिलाकर एक नया म्यूटेंट वायरस बनाना चाहते थे। इसी दौरान कोरोना वायरस महामारी की शुरुआत हुई। रिपोर्ट के मुताबिक जांचकर्ताओं का मानना है कि चीनी वैज्ञानिक खतरनाक प्रयोगों से जुड़े गुप्त प्रोजेक्ट पर काम रहे थे। इसी वक्त वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी से रिसाव हुआ और कोविड-19 का प्रकोप शुरू हुआ।

यह रिपोर्ट सैकड़ों दस्तावेजों पर आधारित है, जिसमें गोपनीय रिपोर्ट, आंतरिक मेमो, वैज्ञानिक कागजात और ईमेल से हुई बातचीत शामिल है। एक जांचकर्ता ने कहा, 'अब तो यह साफ हो गया है कि वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में कोविड-19 वायरस से जुड़े प्रयोग किए जा रहे थे। इस काम को लेकर किसी तरह की प्रकाशित जानकारी नहीं है, क्योंकि यह चीनी सेना के शोधकर्ताओं के सहयोग से किया गया था।'

सार्वजनिक नहीं की मौतों की जानकारी

वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में 2003 में सार्स वायरस की उत्पत्ति का पता लगाने का काम शुरू हुआ। इसके लिए दक्षिणी चीन की बैट गुफाओं से लिए गए कोरोना वायरसों पर जोखिम भरे प्रयोग शुरू हुए। इसके नतीजे शुरू में सार्वजनिक किए गए थे। 2016 में शोधकर्ताओं को युन्नान प्रांत के मोजियांग में खदान में सार्स के समान नए प्रकार का कोरोना वायरस मिला। इसके बाद चीन ने इन मौतों की जानकारी पब्लिक नहीं की। हालांकि, उस वक्त पाए गए वायरस को अब कोविड-19 फैमिली का सदस्य माना जाता है। इसके बाद उन्हें वुहान संस्थान ले जाया गया और इन पर वैज्ञानिकों के अलग-अलग प्रयोग शुरू हुए।

चीनी सेना की देखरेख में होते रहे प्रयोग

रिपोर्ट में बताया गया कि एक दर्जन से अधिक जांचकर्ताओं को अमेरिकी खुफिया सर्विस की ओर से जुटाई गई जानकारियां मुहैया कराई गईं। इनमें मेटाडेटा, फोन इंफॉर्मेशन और इंटरनेट सूचना शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के जांचकर्ताओं ने कहा कि वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी खुद को नागरिक संस्थान के रूप में पेश करता है। इसके बावजूद, यहां चीन की सेना के साथ मिलकर गुप्त प्रोजेक्ट्स पर काम किया गया।

पाकिस्तान: सिंध में एक और हिंदू लड़की का अपहरण

अपहृता का करवा दिया निकाह... बरामद

एजेंसी | कराची

सिंध प्रांत में एक अफगान पश्तून परिवार द्वारा अपहृत हिंदू किशोरी को कराची से बरामद किया गया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक आरोपी परिवार ने लड़की का कथित तौर पर जबरन धर्मांतरण कराया और उसका निकाह एक मुस्लिम व्यक्ति से करा दिया। टंडो अल्लाहयार के एसएसपी सैयद सलीम शाह ने बताया कि रवीना मेघवाल को दक्षिणी सिंध के टंडो अल्लाहयार से अगवा कर कराची ले जाया गया था।

सिंध प्रांत में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले संगठन पाकिस्तान दहरावर इत्तेहाद ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा, "मामले की जांच के बाद हमने एक टीम कराची भेजी, जहां से लड़की को बरामद किया गया और वापस मीरपुरखास लाया गया।" शाह के मुताबिक अपहरण के आरोपीपरिवार ने दावा किया है कि लड़की ने मर्जी से इस्लाम कबूल किया और जामो खान से शादी कराई थी। जब पीड़िता और आरोपियों को टंडो अल्लाहयार की कोर्ट में पेश किया गया, तब जामो खान के वकीलों ने विवाह प्रमाणपत्र दिखाया, लेकिन जब राष्ट्रीय पहचान पत्र सौंपने को कहा गया, तो पता चला कि वह पाकिस्तानी नागरिक नहीं है और उसके पास अफगानिस्तान का पहचान पत्र है।

ब्रिटेन: सहकर्मी का यौन उत्पीड़न का मामला

भारतीय मूल के व्यक्ति को सजा

एजेंसी | लंदन

ब्रिटेन में भारतीय मूल के एक पूर्व पुलिस अधिकारी को ड्यूटी के दौरान अपनी सहकर्मी का यौन उत्पीड़न करने का दोषी ठहराते हुए 16 महीने जेल की सजा सुनाई गई है।

मेट्रोपोलिटन पुलिस ने शनिवार को एक बयान में कहा कि पूर्व पुलिस कांस्टेबल अर्चित शर्मा को शुक्रवार को 16 महीने कैद की सजा सुनाई गई और उसका नाम दस साल के लिए यौन अपराध रजिस्टर में दर्ज किया गया। दस साल तक पीड़ित से संपर्क करने से रोकने के लिए शर्मा के खिलाफ एक निरोधक आदेश के साथ ही उसे 156 पाउंड का जुर्माना पीड़िता को देने का आदेश दिया गया। मेट्रोपोलिटन पुलिस की नॉर्थ एरिया कमांड यूनिट से जुड़े शर्मा पर दिसंबर 2020 में ड्यूटी के दौरान एक सहकर्मी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा था।

शर्मा को मार्च में यहां की एक अदालत ने दोषी ठहराया था, जिसके चार दिन बाद उसने इस्तीफा दे दिया था।

जापान में 6.2 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो। जापान के उत्तरी हिस्से में स्थित मुख्य द्वीप होक्काइदो में रविवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया, लेकिन किसी के हताहत होने या किसी नुकसान के बारे में अभी खबर नहीं मिली है।

सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की गई है। क्षेत्र में परमाणु संयंत्रों में समस्याओं की कोई रिपोर्ट नहीं है। इसके अलावा उत्तरी जापान में बिजली आपूर्ति या बुलेट ट्रेन के संचालन में व्यवधान की भी कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

बड़ी खोज

समुद्री पहाड़ में किया 1 KM गहरा छेद

एजेंसी | वाशिंगटन

धरती के अंदर क्या है? इसका खुलासा करने के लिए वैज्ञानिक नए-नए प्रयोग करते रहते हैं। ऐसे ही एक हैरान करने वाले प्रयोग के दौरान वैज्ञानिकों ने अटलांटिक महासागर में मौजूद अटलांटिस मैफिस पहाड़ में एक किलोमीटर गहरा छेद किया। इस प्रोजेक्ट को जॉइडेस रेजोल्यूशन साइंटिफिक ड्रिलिंग वेसल ने अंजाम दिया है। यह पहाड़ मिड-अटलांटिक रिज पर है। करीब 4156 फीट तक ड्रिलिंग की गई। हालांकि, यह धरती के अंदर किया गया सबसे गहरा छेद नहीं है, लेकिन यह भूगर्भीय जानकारी हासिल करने के लिए जरूरी है।

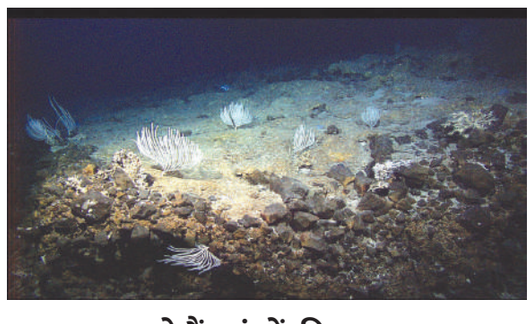

पता कर सकते हैं भूकंपों की वजह

इस चट्टान का नाम है पेरिडोटाइट। यह एक बहुत बडी खोज है। वैज्ञानिक इसके जरिए धरती की कई चीजों का अध्ययन करना चाहते हैं। जैसे- चुंबकीय शक्ति, ग्रैविटी, टेक्टोनिक फ्लो, ज्वालामुखी आदि। वैज्ञानिक कहते आए थे कि अगर वो पृथ्वी के निचले हिस्से से चट्टान निकाल पाएं तो धरती के आकार, गुण और ठहराव का पता आसानी से चल सकता है। इससे भूकंपों की वजह के साथ अलग-अलग परतों की जानकारी हासिल कर सकते हैं।

चट्टान में मिला ओलिविन

समुद्री भागों से निकाली गई चट्टानों की स्टडी से भूवैज्ञानिक घटनाओं को भी समझ सकते हैं। चट्टानों में छिपे धातुओं और खनिजों का भी इससे पता लगा सकते हैं। पृथ्वी के मेंटल से निकाले गए पेरिडोटाइट चट्टान के एक किलोमीटर का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा मिला है। इस चट्टान में ओलिविन मिला है। जिसकी वजह से हाइड्रोजन चट्टानों के अंदर भरा-पड़ा होता है। इनकी बदौलत माइक्रोबियल जीवन यानी सूक्ष्मजीवन को को बढ़ावा मिलता है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: मनोज माथुर*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl